mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-29 अंक-79 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

23 मार्च 2025 रविवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

दैनिक मीडिया ऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

ओलंपिक में मेडल... @ पेज 7

लाख जतन पर भी नहीं सुधरा, थक हारकर मां ने बेटे को पुलिस के हवाले किया

कोझिकोड (एजेंसी)। कोई मां अपने बेटे को पुलिस के हवाले कर दे, ऐसा मामला बहुत कम ही देखने को मिलता है। लेकिन ऐसा ही मामला केरल के कोझिकोड में सामने आया है। यहां एक महिला ने नशे के आदि अपने बेटे

● महिला ने बेटे के नशे की लत को सुधारने की काफी कोशिश

को पुलिस के हवाले कर दिया, क्योंकि उसने कथित तौर पर उसे और परिवार के अन्य सदस्यों को जान से मारने की धमकी दी थी। सूत्रों ने यह जानकारी दी। महिला ने बेटे के नशे की लत को सुधारने की काफी कोशिश की लेकिन जब बेटा नहीं सुधरा तो थक हारकर उसने यह कदम उठाया।

दरअसल, अलाथुर की रहने वाली मिनी ने पुलिस को अपने बेटे राहुल (26) से लगातार धमकियां मिलने की सूचना दी थी जिसके बाद पुलिस ने शुक्रवार को आरोपी बेटे को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। मिनी ने बताया कि उनका बेटा लंबे समय से नशीले पदार्थों का सेवन कर रहा था और उसे सुधारने की उनकी सभी कोशिशें नाकाम रहीं।

मिनी ने बताया कि उसने पहले भी राहुल के खिलाफ मामला दर्ज कराया था, लेकिन उसने बेटे को यह सोचकर जमानत दिलवाई थी कि वह अपनी गलती सुधार लेगा और नशा करना छोड़ देगा। लेकिन इस बार मैंने अपने दिल को पत्थर की तरह कठोर कर लिया है और अपनी पिछली गलती को दोबारा नहीं दोहराऊंगी।÷ मिनी के मुताबिक, ÷राहुल ने कबूल किया कि वह 13 साल की उम्र से नशा कर रहा था, लेकिन हमें इसकी जानकारी तब मिली जब वह 18-19 वर्ष का था। हमने उसे डॉक्टरों से परामर्श और नशा मुक्ति केंद्रों में भर्ती कराया। इलाज के बाद कुछ दिन सुधार दिखता, लेकिन फिर वह कहीं से नशीले पदार्थों का सेवन करने लगता था।÷

उन्होंने बताया कि पिछले चार वर्षों में राहुल के खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज हो चुके हैं जिनमें पॉक्सो (बच्चों के खिलाफ यौन अपराध) से जुड़ा एक मामला भी शामिल है। मिनी ने बताया कि जब उन्होंने बेटे को नशे के लिए पैसे देने से इनकार कर दिया तो उसने गुस्से में आकर एक बच्चे को दांत से काट लिया। उन्होंने बताया कि इसके बाद मैंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। लेकिन जब राहुल ने जेल में रोते हुए मुझसे माफी मांगी और नशा न करने की कसम खाई तो मैंने उस पर विश्वास कर उसे जमानत दिलवा दी।÷ उन्होंने कहा, ÷मुझे एहसास हुआ कि मैंने गलती की और अब इसे दोबारा नहीं दोहराऊंगी।÷ एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि मिनी का बेटा राहुल एक आदतन अपराधी है और उसके खिलाफ कई पुलिस थानों में पॉक्सो, नशे के सेवन और चोरी के मामले दर्ज हैं। उन्होंने कहा, ÷फिलहाल वह पॉक्सो मामले में आरोपी है और उसके खिलाफ मुकदमा चल रहा है।

संक्षिप्त समाचार

नाइजर में जिहादी संगठन ने एक गांव को बनाया निशाना

डकार (एजेंसी)। नाइजर के पश्चिमी हिस्से में एक गांव पर एक जिहादी संगठन ने बड़ा हमला किया है। इस हमले में गांव के 44 नागरिकों की मौत हुई है। नाइजर के गृह मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि माली और बुर्किना फासो की सीमा से सटे कोकोरू ग्रामीण क्षेत्र के फाम्बिता गांव में शुक्रवार दोपहर यह हमला हुआ। उसने इस हमले के लिए 'इस्लामिक स्टेट इन ग्रेट सहारा या ईआईजीएस' को जिम्मेदार ठहराया है। इस हमले के सिलसिले में प्रतिक्रिया के लिए ईआईजीएस से संपर्क नहीं हो पाया है। गृह मंत्रालय ने एक बयान में कहा, '' अपराह्न करीब दो बजे जब मुस्लिम श्रद्धालु जुमे

की नमाज अदा कर रहे थे, तब भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों ने संबंधित मस्जिद को घेर लिया और नरसंहार को अंजाम दिया।'' उसने कहा कि हमलावरों ने वहां से जाने से पहले एक बाजार एवं मकानों में आग भी लगा दी। नाइजर में 44 नागरिकों की हत्या के बाद सरकार ने 3 दिनों का शोक घोषित किया है। मंत्रालय ने बताया कि मृतकों की अंतरिम संख्या कम से कम 44 है, जबकि 13 गंभीर रूप से घायल हैं। मंत्रालय ने तीन दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है। अपने पड़ोसी देशों बुर्किना फासो और माली के साथ नाइजर एक दशक से अधिक समय से जिहादी संगठनों के विद्रोह से जूझ रहा है। उनमें से कुछ संगठन अल-कायदा और इस्लामिक स्टेट समूह से संबद्ध हैं। इससे पहले भी वह कई बार ऐसे हमले कर चुके हैं।

पाकिस्तान के खिलाफ उबला बलूचिस्तान, महिलाएं भी सड़क पर उतरीं

बलूचिस्तान (एजेंसी)। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों द्वारा विरोध प्रदर्शन कर रहे बलूच नागरिकों की गोली मारकर हत्या किए जाने के खिलाफ पूरा बलूचिस्तान उबल पड़ा है। बलूच महिलाएं भी बड़ी संख्या में पाकिस्तान के खिलाफ सड़क पर उतर चुकी हैं। बलूचों ने क्वेटा और तुरबत में बड़ी रैलियां निकालीं और पाकिस्तानी सुरक्षा बलों व सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। बलूच महिलाओं के आक्रोश का ये ड्ढद्धष्ठश्चह्न पीएम शहबाज शरीफ को सोने नहीं देगा। पाकिस्तान ने कई बलूच नेताओं को गिरफ्तार

कर लिया है। प्रदर्शनकारी इन सभी के रिहाई की भी मांग कर रहे हैं। बता दें कि क्वेटा में प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी और हिंसा के खिलाफ सैकड़ों लोग सड़कों पर उतर चुके हैं। लोगों ने रैली निकाली और प्रदर्शन किया। इसमें बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल रहीं। इस अवसर पर शहर के सभी व्यापारिक केंद्र बंद रहे। पाकिस्तान पुलिस की गोलीबारी में क्वेटा में मारे गए युवक हबीबुल्लाह समलानी के लिए जनाजे की नमाज अदा करने महिलाओं और पुरुषों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों ने पाकिस्तान को युवक की हत्या करने का आरोप लगाते हुए अपना आक्रोश जाहिर किया। इसमें बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं।

'सांसदों और विधायकों के फोन और मैसेज का तुरंत जवाब दें'

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में रेखा गुप्ता की अगुवाई वाली सरकार ने दिल्ली सरकार ने अधिकारियों को सांसदों और विधायकों के पत्रों, फोन कॉल और संदेश का तुरंत जवाब देने का शुक्रवार को निर्देश दिया और ऐसा न करने पर उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की चेतावनी दी। दिल्ली सरकार ने यह निर्देश ऐसे समय में दिया है, जब विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने एक दिन पहले कुछ अधिकारियों के गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार का मुद्दा उठाया था। विजेंद्र गुप्ता ने मुख्य सचिव धर्मेंद्र को लिखे पत्र में कहा था कि उन्हें बताया गया है कि कुछ अधिकारी विधायकों से पत्र,

फोन कॉल और संदेश के रूप में प्राप्त संचार को स्वीकार भी नहीं करते हैं। दिल्ली सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) द्वारा जारी एक सर्कुलर में कहा गया, ''मुख्य सचिव ने मामले को गंभीरता से लिया है।'' इसमें कहा गया है कि सरकार ने विधायकों और सांसदों के साथ व्यवहार करते समय अपनाए जाने वाले प्रोटोकॉल के संबंध में व्यापक निर्देश जारी किए हैं। अतिरिक्त मुख्य सचिव (जीएडी) नवीन कुमार चौधरी द्वारा जारी सर्कुलर में कहा गया है कि निर्देशों का अक्षरशः सख्ती से पालन किया जाना चाहिए। इसमें कहा गया है, ''ऐसा कोई मौका नहीं दिया जाना चाहिए, जब विधायकों या सांसदों को ऐसी शिकायतें करने के लिए बाध्य होना पड़े। इन निर्देशों का पालन न करने पर उचित अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी और संबंधित अधिकारी के मूल्यांकन में यह एक महत्वपूर्ण हिस्सा होगा।'

18 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

शहडोल में पुलिस पर हमला, एसआई और महिला पुलिसकर्मी घायल

शहडोल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के रीवा में पुलिस टीम पर जानलेवा हमले के बाद शहडोल में भी पुलिस की टीम पर हमला हुआ है। यहां एक बाइक की तलाश में गई पुलिस टीम के साथ स्थानीय लोगों ने मारपीट करने की कोशिश की। पत्थरबाजी में दो पुलिसकर्मियों को हल्की चोट आई है। घायलों में एक महिला पुलिसकर्मी भी है। पुलिस 18 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है, लेकिन अब तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। कुछ दिन पहले ही रीवा के मऊ गंज पर पुलिस हमले में सब इंस्पेक्टर की मौत हो गई थी।

शहडोल में बुढ़ार पुलिस संदेही की तलाश में गई थी। ईरानी मोहल्ले की महिलाओं समेत अन्य लोगों ने पुलिस पार्टी पर पथराव कर दिया, जिसमें पुलिसकर्मी घायल हो गए। इससे पहले केशवाही क्षेत्र में सराफा व्यापारियों पर लूट के इरादे से गोलीबारी की गई थी। हालांकि, व्यापारी लूट से बच गए थे और घायल होने के बावजूद बस्ती तक पहुंचकर जान बचाई

थी। व्यापारियों पर गोली चलाने वाले आरोपी जिस गाड़ी से आए थे, उसी तरह की गाड़ी की तलाश में पुलिस ईरानी मोहल्ला गई थी। पुलिस पार्टी पर हुए हमले मामले में बुढ़ार पुलिस ने कुल 18 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इनमें से 17 नामजद हैं, जबकि अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

सराफा व्यापारियों पर गोली चलाते वक्त आरोपी जिस बाइक में थे, उसी तरह का वाहन ईरानी बाड़ा में होने की सूचना पुलिस को मिली थी। जिस पर रात करीब 10 बजे पुलिस ईरानी मोहल्ला पहुंची, लेकिन रास्ता संकरा होने के कारण गाड़ी नहीं जा सकी। पुलिस गाड़ी से उतकर आरक्षक बलभद्र सिंह पैदल पहुंचे। मोहल्ले में मिले फिरोज अली जाफरी से उक्त बाइक के संबंध में पूछा तो वह गाली गलौज करने लगा। इसके बाद ईरानी मोहल्ला के अन्य लोग आ पहुंचे और आरक्षक के साथ झूमा झटकी कर धक्का-मुक्की करने लगे। यह देख वाहन में मौजूद पुलिस का स्टॉफ दौड़कर बीच बचाव करने पहुंचा, लेकिन दर्जनों लोग पत्थर लेकर पुलिस स्टाफ को मारने दौड़े। हमले में आरक्षक सहित अन्य स्टॉफ को चोटें आई। हमले में महिला आरक्षक सरिता, आरक्षक आशीष तिवारी भी चोटिल हुए। पुलिस वाहन में भी तोड़ फोड़ की गई। आरक्षक की शिकायत पर धारा 132, 221, 296, 115 (2), 351 (3), 3 (5) बीएनएस का मामला दर्ज कर लिया गया है।

दिल्ली के शाहीन बाग में जूतों के शोरूम में लगी भीषण आग

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के शाहीन बाग इलाके में शनिवार सुबह जूतों के एक शोरूम में आग लग गई। दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि आग लगने की सूचना पूर्वाह्न 11 बजकर 17 मिनट पर मिली। जूते के शो रूम से आग की लपटें निकल रह थीं। अग्निशमन के अधिकारी ने कहा, 'दमकल की 11 गाड़ियों को मौके पर तुरंत भेजा गया और दमकलकर्मी आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं।'

अधिकारी ने बताया कि अभी किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। आग बुझाने के अभियान के कारण इलाके में यातायात बाधित हो गया। जूते के शो रूम में आग लगने के कारण माल को भारी नुकसान पहुंचा है। फायर ब्रिगेड की टीम अभी भी आग बुझाने के प्रयास में जुटी हुई है। आग किन कारणों से लगी है, अभी इसका पता नहीं चल पाया है। वहीं, इसके पहले 15 मार्च 2025 को द्वारका सेक्टर-5 में लवली हाउस अपार्टमेंट की छठी मंजिल पर आग लग गई थी। इस घटना में घरेलू सामानों में आग लगी थी, जिसे पांच दमकल गाड़ियों ने नियंत्रित किया। उसी दिन शाम को मूलचंद फ्लाईओवर के पास एक रेस्टोरेंट में भी आग लगी थी, जहां चार दमकल गाड़ियां भेजी गई थीं। 11 मार्च 2025 को आनंद विहार की सेवा बस्ती में झुग्गियों में भीषण आग लगने से तीन लोगों की जान चली गई थी।

दिल्ली में सवा सौ साल पुराने गणेश मंदिर और काली मंदिर पर चला बुलडोजर

गुस्साए लोगों ने किया प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में सत्ता बदल चुकी है और नई सरकार अपनी नीतियों को लागू करने में जुट गई है। इसी क्रम में अतिक्रमण हटाने का काम भी चल रहा है। लेकिन शनिवार तड़के यमुना नगर में पुराने मंदिरों पर प्रशासन का बुलडोजर चल गया। इससे लोगों में काफी नाराजगी है। यमुना बाजार में सिंदूरी गणेश मंदिर ,काली मंदिर को बुलडोजर चलाकर तोड़ दिया गया। लोगों का दावा है कि इन मंदिरों का निर्माण 1902 में हुआ था नाराज लोग अब विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

सुबह 4.30 बजे मौके पर पहुंची टीम

दिल्ली के यमुना बाजार में एमसीडी और पीडब्ल्यूडी की टीम सुबह 4.30 बजे मौके पर पहुंची और सिंदूरी गणेश मंदिर, काली मंदिर को बुलडोजर चलाकर तोड़ दिया गया। हालांकि जैसे ही लोगों को मंदिर पर बुलडोजर चलने की सूचना मिली लोगों ने इसका विरोध करना शुरू कर दिया। लोगों के विरोध के बाद प्रशासन की टीम चौमुखी महादेव मंदिर को नहीं तोड़ पाई, लेकिन उसकी बाउंड्री वॉल को तोड़ दिया गया है पहले यहां पर झुग्गियां थी जिसे एक सप्ताह पहले थोड़ा गया था। लोगो का दावा है कि 1902 में मंदिर का निर्माण कराया गया था। इसके

ठीक बगल में नीली छतरी मंदिर है। यहां पर लोग विरोध प्रदर्शन कर रहे है।

बता दें कि इससे पहले 20 मार्च को दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश पर मयूर विहार में तीन मंदिरों को तोड़ने की कार्रवाई लोगों के विरोध के चलते रोकनी पड़ी थी। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की एक टीम पुलिस के साथ बृहस्पतिवार सुबह करीब चार बजे पूर्वी दिल्ली के मयूर विहार स्थित काली मंदिर, अमरनाथ मंदिर और बद्रीनाथ मंदिर को गिराने के लिए पहुंची। ये मंदिर कथित तौर पर मयूर विहार फेज 2 में ग्रीन बेल्ट पर बने हैं। यहां लोगों ने विधायक रविंदर सिंह नेगी के नेतृत्व में प्रदर्शन किया। डीडीए के प्रवक्ता ने पुष्टि की कि तोड़फोड़ की कार्रवाई स्थगित कर दी गई है।

...तो महिला ने काट दी हसबैंड की जीभ

डेढ़ महीने पहले हुई थी शादी

झालावाड़ (एजेंसी)। राजस्थान के झालावाड़ जिले के बकानी कस्बे में एक हैरान करने वाली खबर सामने आई है। पति से विवाद के बात विवाहित महिला ने अपने पति की जुबान दांतों से काट दी। महिला के पति को परिजन बकानी समुदाय स्वास्थ्य केंद्र लेकर गए जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद उसे झालावाड़ के लिए रेफर कर दिया। पति की जीभ काटने के बाद रवीना ने कमरे के अंदर की कुंडी लगाकर आत्महत्या करने की कोशिश की। परिजनों ने काफी समझा। इसके बाद उसने कुंडी खोली। बताया जा रहा है कि महिला का पति से झगड़ा हुआ था। विवाद इतना बढ़ा कि महिला ने पति की जुबान ही काट डाली।

जानकारी के अनुसार, बकानी कस्बे के ज्योति नगर निवासी कन्हैयालाल सेन की शादी सुनेल क्षेत्र के कादे नगर निवासी रवीना सेन के साथ डेढ़ महीने पहले हुई थी। घायल पति के छोटे भाई ने बताया कि एक दिन पहले ही रवीना के पिता उसको ससुराल बकानी छोड़कर चले गए थे। रात को दोनों पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर

विवाद हो गया। जिस पर पत्नी रवीना ने पति कन्हैयालाल की जुबान काट दी। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि पति-पत्नी के बीच रात में किस बात को लेकर विवाद हुआ था।

घटना की जानकारी के बाद मौके पर पुलिस पहुंची। महिला के परिजनों को बुलाकर उसे उसके परिजनों को सुपुर्द कर दिया। वहीं घायल कन्हैया लाल सेन के परिजन अभी पुलिस में कोई मामला दर्ज नहीं करवाया है। पुलिस का कहना है कि शिकायत के बाद कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बताया जा रहा है कि महिला के पति की करीब आधी जीभ कट गई है। वह बोल सकते हैं या नहीं इलाज के बाद इसकी जानकारी सामने आ पाएगी।

'केशव प्रसाद मौर्य यूपी संभाल लें, बाबा जी जाएं दिल्ली'

भाजपा विधायक के बयान पर क्या बोले डिप्टी सीएम

मुंबई (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य आज हरदोई के गोपामऊ क्षेत्र के मुरादपुर पहुंचे। दरअसल यहां सम्राट अशोक की जयंती के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस दौरान जब केशव प्रसाद मौर्य सम्मेलन को संबोधित करनेके लिए मंच पर पहुंचे तो वहां उनका विधायकों और कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान गोपामऊ विधानसभा के भाजपा विधायक ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, उनकी इछा है कि बाबा जी दिल्ली चले जाएं और उत्तर प्रदेश केश जी संभाले। भाजपा विधायक यहीं नहीं रुके। भाजपा विधायक ने कहा, निश्चित है मेरे मन में जो आता है वह पूरा भी होता है और वह दिन जरूर आएगा।

विधायक द्वारा दिए गए बयान पर जब पत्रकारों ने केशव प्रसाद मौर्या से सवाल पूछा तो केशव प्रसाद मौर्य ने कहा, हमारे

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आदरणीय हैं। वही आगे भी सीएम रहेंगे। हम लोगों के बीच ऐसा कुछ भी नहीं है। उनकी भावना थी, उन्होंने व्यक्त कर दिया। लेकिन उसको आप पार्टी का निर्णय मत मानिए। बता दें कि इससे पहले केशव प्रसाद मौर्य और समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के बीच सोमवार को 'पीडीए' (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) को लेकर फिर जुबानी जंग देखने को मिली थी। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पिछले वर्ष लोकसभा चुनाव के दौरान 'पीडीए' का नारा देकर पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यकों को एक साथ जोड़ने की मुहिम शुरू की थी और उनकी पार्टी को इसका लाभ मिला। अखिलेश यादव ने सोमवार को 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''पीडीए 90 फीसदी जनता की एकता का नाम है। पीडीए संविधान और आरक्षण की ढाल है।''

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने 'एक्स' पर एक अन्य पोस्ट में भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, ÷भाजपा की नकारात्मक राजनीति समाज में संकट और दूरियां पैदा करने की रही है।'' यादव ने कहा, ''भाजपाइयों ने एंग्लो-इंडियन का आरक्षण समाप्त किया, किसानों को परेशान करने के लिए काले कानून लाए, नोटबंदी से हर नागरिक को परेशान किया, जीएसटी से छोटे दुकानदारों, व्यापारियों और कारोबारियों को परेशान किया, धर्म-जात की विभेदकारी नफरत की राजनीति की और अब वक्फ की सियासत।''

भाजपा नेता ने पत्नी और चार बच्चों को मारी गोली, दो बच्चों की मौके पर मौत

सहारनपुर (एजेंसी)। यूपी के सहारनपुर में दिल दहलाने वाली घटना देखने को मिली है। यहां दिनदहाड़े भाजपा नेता ने अपनी लाइसेंस पिस्तौल से अपनी पत्नी और 4 बच्चों को गोली मार दी। गोली लगने के बाद दो बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पत्नी और 2 बच्चे की हालत गंभीर है। आरोपी ने अपनी लाइसेंसी पिस्टल से ही पत्नी और बच्चों को गोली मारी और फिर खुद ही थाने में फोन कर घटना की सूचना पुलिस को दी। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी भाजपा नेता को गिरफ्तार कर लिया है और

उसकी लाइसेंसी पिस्टल को भी पुलिस ने जब्त कर लिया है। बता दें कि आरोपी से पुलिस फिलहाल पूछताछ कर रही है, जबकि उसकी पत्नी और बच्चे की हालत बेहद गंभीर बताई जा रही है। बता दें कि पूरा मामला गंगोह थात्रा क्षेत्र के सांगाठेडा का है। जानकारी के मुताबिक, भारतीय जनता पार्टी के नेता योगेश रोहिल्ला ने अपनी पत्नी और चार बच्चों को गोली मार दी। योगेश रोहिल्ला को अपनी के चरित्र पर शक था, जिसके चलते योगेश ने अपनी पत्नी और चार बच्चों को गोली मार दी। जानकारी के मुताबिक चारों बच्चों की मौत हो चुकी है, लेकिन इसकी आधिकारिक पुष्टि फिलहाल नहीं की गई है।

शिक्षक भर्ती को लेकर हाई कोर्ट के 3 अहम फैसले

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। हाई कोर्ट ने शिक्षक भर्ती से जुड़े 3 अहम मामलों में गुरुवार को बड़ा फैसला सुनाया। मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत और जस्टिस विवेक जैन की खंडपीठ ने शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) 2020 पास अभ्यर्थियों, अधिकतम आयु सीमा में छूट का आदेश दिया। याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया था कि 2018 के बाद की टीईटी की वैधता आजीवन होगी। फिर भी 2020 के अभ्यर्थियों को परीक्षा में शामिल नहीं कर रहे। कोर्ट ने अंतरिम राहत देते हुए परीक्षा में शामिल होने की मंजूरी दी। नियुक्ति अंतिम निर्णय के अधीन होगी।इसके अलावा हाई कोर्ट ने भर्ती प्रक्रिया में अधिकतम आयु सीमा 45 वर्ष करने के फैसले पर अंतरिम राहत दी। याचिकाकर्ताओं का तर्क था कि उन्होंने 2018 में टीईटी पास किया था, तब उनकी उम्र 39 वर्ष थी। उन्हें 3 साल की छूट मिलनी चाहिए। इसके बाद कोर्ट ने राहत दी। वहीं, अतिथि शिक्षकों के मामले में जस्टिस द्वारकाधीश बंसल की एकलपीठ ने बिना अनुभव प्रमाण पत्र अपलोड किए आवेदन की मंजूरी दी है। याचिकाकर्ताओं का तर्क था कि वे पहले से सरकारी स्कूलों में सेवाएं दे चुके हैं। फिर भी अनुभव प्रमाण पत्र मांगा जा रहा है।

सहकारिता अधिनियम में संशोधन की तैयारी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मप्र में गृह निर्माण सोसायटी के लिए नियम अब सख्त होने वाले हैं। ऐसी गृह निर्माण सोसायटी, जिनके सारे प्लॉट बिक चुके हैं और जो मेंटिनेंस व रखरखाव के नाम पर अब भी अस्तित्व में हैं, उन्हें खत्म किया जाएगा। अब इन सोसायटियों के मेंटेनेंस का काम वेलफेयर सोसायटी करेगी, जो मप्र प्रकोष्ठ स्वामित्व अधिनियम 2000 के तहत गठित होगी। यानी नई वेलफेयर सोसायटी को मेंटेनेंस की जिम्मेदारी मिलेगी। इसके लिए राज्य सरकार सहकारी अधिनियम में संशोधन का बिल विधानसभा में लाने जा रही है। प्रदेश में ऐसी 5000 सोसायटियां हैं, जो केवल मेंटेनेंस के नाम पर चल रही हैं। बिल में यह भी प्रावधान है कि नई सोसायटी के पंजीयन की प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा। पहले यह प्रक्रिया 90 दिनों की थी। अब इसे 30 दिन (प्राथमिक सोसायटी) और 45 दिन (अन्य सोसायटी) की समय सीमा में पूरा करना होगा। यह अवधि पूरी होते ही इसे डीम्ड पंजीयन माना जाएगा। इसके बाद 15 दिन के भीतर प्रमाण पत्र जारी करना अनिवार्य होगा। इसके लिए सहकारिता अधिनियम की धारा 9 और धारा 14 में संशोधन प्रस्तावित है। यदि किसी सोसायटी को अपनी उपविधियों में बदलाव करना हो तो यह प्रक्रिया 30 दिन में पूरी करनी होगी। अब नई सोसायटी के पंजीयन के लिए 10 नहीं, 20 सदस्यों के नाम और उनके हस्ताक्षर अनिवार्य होंगे।

जीवन में आनंद और शांति के सूत्रों पर चर्चा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। सुख और दु:ख मनुष्य के जीवन से उसी तरह जुड़े हैं, जैसे दिन के बाद रात। सुख-दुख जीवन के अभिन्न अंग हैं। लोक कल्याणकारी राज्य का पहला कर्तव्य अपने नागरिकों के जीवन में खुशहाली लाना है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में हैप्पीनेस पर आयोजित दो दिवसीय सेमिनार में यह बात कही। कार्यक्रम में रामकृष्ण मिशन के कोलकाता स्थित बेलूर मठ से आए स्वामी समर्पणानन्द का व्याख्यान हुआ। स्वामी समर्पणानन्द ने कहा कि हम सभी को प्रकृति के प्रति और परमेश्वर के प्रति कृतज्ञ होना चाहिए। हम अपनी सांस्कृतिक परम्पराओं के संवाहक बनें और मनुष्य में निहित देव गुणों को उभारें। जब आप सच्चे मन से किसी की सेवा करते हैं तो जो शांति मिलती है, वही आनंद है और वही जीवन का सार है। प्रोफेसर रजनीश अरोड़ा ने कहा कि आनंद व्यक्ति के भीतर से आता है, पर इसका प्रभाव व्यक्ति के चरित्र से बाहर दिखाई देना चाहिए।

स्वयं के साथ समाज के अन्य लोगों को भी करें जागरूक : एसीएस शमी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। हम सभी किसी न किसी रूप में उपभोक्ता हैं। सभी को उपभोक्ता अधिकारों की समग्र जानकारी नहीं है। समाज को उपभोक्ता अधिकारों के प्रति जागरूक करना हमारी जिम्मेदारी है। अपर मुख्य सचिव खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण श्रीमती रश्मि अरूण शमी ने यह बात विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस के भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में कही। श्रीमती शमी ने कहा कि वर्तमान में अधिकांश खरीदी ई-प्लेटफार्म के माध्यम से की जा रही हैं। इसमें गुणवत्तायुक्त सामग्री नहीं मिलने पर क्या कार्रवाई की जा सकती है, इसकी जानकारी होना चाहिए।

जिला उपभोक्ता संरक्षण अदालतों में 50 लाख रूपये तक, राज्य उपभोक्ता संरक्षण आयोग में 50 लाख रूपये से 2 करोड़ रूपये तक और राष्ट्रीय उपभोक्ता संरक्षण आयोग में इससे अधिक राशि के प्रकरणों की सुनवाई की जाती है। उपभोक्ता निर्णय से असंतुष्ट होने पर 45 दिन में अगले स्तर पर अपील कर सकते हैं। उन्होंने सामाजिक संगठनों से आग्रह किया कि उपभोक्ताओं को सतत् जागरूक करते रहें। मध्यप्रदेश राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष श्री व्ही.के. मल्होत्रा ने कहा कि उपभोक्ताओं की जागरूकता और योजनाओं का क्रियान्वयन करने वालों की संवेदनशीलता बहुत जरूरी है।

रजिस्ट्रार मध्यप्रदेश उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग श्री शोभित जैन ने कहा कि इस तरह की कार्यशालाएं संभाग और जिला स्तर पर भी आयोजित कर उपभोक्ताओं को जागरूक किया जाये। उन्होंने सस्टेनेबल फ्यूचर और ग्रीन फुट-प्रिंट के बारे में भी उपभोक्ताओं को जागरूक करने पर जोर दिया। आयुक्त खाद्य श्री कर्मवीर शर्मा ने बताया कि उपभोक्ता अदालतों में ऑनलाइन सुनवाई की भी व्यवस्था की गई है। इससे उपभोक्ता घर से ही

सुनवाई में शामिल हो सकते हैं। उन्होंने उपभोक्ताओं को प्रदत्त अधिकारों के बारे में भी जानकारी दी। अतिथियों ने उपभोक्ता जागरूकता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाली संस्था जागरूक उपभोक्ता समिति इंदौर को एक लाख 11 हजार रूपये का प्रथम पुरस्कार और अखिल भारतीय उत्थान संगठन सतना को 51 हजार रूपये का द्वितीय पुरस्कार दिया। उपभोक्ता अधिकार विषय पर राज्य स्तरीय निबंध प्रतियोगिता के विजेता छात्र शा.उ.मा. विद्यालय विरसा जिला बालाघाट के श्री धारेन्द्र मरावी को 6 हजार रूपये का प्रथम, शा.मा. विद्यालय क्रमांक-19 नया बसेरा के श्री पवन ताकतोड़े को 4 हजार रूपये का द्वितीय और क्रिस्टिना कॉन्वेंट हायर सेकेण्डरी स्कूल महूगांव जिला इंदौर की सुश्री हीरल दसोंधी को 2 हजार रूपये का तृतीय पुरस्कार और प्रशस्ति-पत्र दिया गया।

इसी तरह पोस्टर प्रतियोगिता के विजेता छात्र इंदौर के शा.प्रा.वि. 19 नया बसेरा जिला इंदौर की कुमारी पूनम बोदड़े को 6 हजार रूपये का प्रथम, शा.उ.मा.वि. बिरसा जिला बालाघाट की कुमारी झरना रहांगडाले को 4 हजार रूपये का द्वितीय और पीएमश्री शा.क.उ.मा.वि. बैहर जिला बालाघाट की कुमारी सेजल टेकाम को 2 हजार रूपये का तृतीय पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा उपभोक्ता जागरूकता संबंधी लगाई गई प्रदर्शनी का अतिथियों ने अवलोकन किया। उन्होंने नाप-तौल विभाग की प्रदर्शनी को प्रथम, वेयर हाउसिंग की प्रदर्शनी को द्वितीय और खाद्य एवं औषधि प्रशासन की प्रदर्शनी को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया।

मध्यप्रदेश में 32 हजार स्थायी कर्मचारी 23 मार्च को काम बंद हड़ताल पर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश के 32 हजार स्थाईकर्मी सातवें वेतनमान की मांग के समर्थन में 23 मार्च को हड़ताल पर रहेंगे और भोपाल के आंबेडकर जयंती मैदान में धरना देकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपेंगे। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच के प्रांताध्यक्ष अशोक पांडे ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया है कि प्रदेश के 32000 स्थाई कर्मी सातवें वेतनमान का लाभ देने एवं 28 हजार दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी नियमित करने तथा 55 हजार अंशकालीन कर्मचारी कलेक्टर रेट का वेतन देने की मांग के समर्थन में 23 मार्च को काम बंद हड़ताल करेंगे।

हड़ताल का नोटिस शुक्रवार को मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच के नेतृत्व में राज्य सरकार को सौंप दिया गया है।

नोटिस सौंपने वाले प्रतिनिधि मंडल में अशोक पांडे प्रांताध्यक्ष महेंद्र सारस प्रदेश उपाध्यक्ष शिवराम जाटव प्रदेश महासचिव प्रमोद बर्डे प्रांतीय सचिव राजू शील यादव प्रदेश महामंत्री शामिल थे।

अशोक पांडे ने बताया है कि राज्य सरकार प्रदेश की स्थाई कर्मियों दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी एवं अंशकालीन कर्मचारी के अधिकारों का हनन कर रही है।

उच्च न्यायालय के स्पष्ट आदेश होने के बावजूद भी आदेशों का लाभ अनियमित कर्मचारियों को नहीं दिया जा रहा है।

स्थाई कर्मी योजना 2016 में लागू करने के बाद पिछले नौ साल में सातवां वेतनमान लागू नहीं किया गया। दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को नियमित नहीं किया गया है।

जबलपुर में बनेगी राष्ट्रीय वायरोलॉजी लैब

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। खतरनाक वायरस से होने वाली बीमारियों की पहचान के लिए मध्य भारत में बड़ी सुविधा शुरू करने की घोषणा केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने बुधवार को राज्यसभा में की है। मध्य प्रदेश के जबलपुर में सेंट्रल इंडिया का पहला नेशनल इंस्टीट्यूट आफ वायरोलॉजी (एनआईवी) स्थापित किया जाएगा। यह देश के एकमात्र एनआईवी पुणे की तरह होगा। मंत्री ने बताया है कि जबलपुर के साथ बेंगलुरु, डिब्रूगढ़ और जम्मू में इसी तरह की लैब स्थापित की जाएंगी। जबलपुर में यह लैब बनने के बाद घातक वायरसों की भी जांच मध्य प्रदेश में होने लगेगी। लैब प्रारंभ होने में दो से तीन वर्ष लग सकते हैं। हर वर्ष वायरस से होने वाली एक या दो नई बीमारियों का संक्रमण देश-दुनिया में फैलता है। इनकी जांच की सुविधा सिर्फ एनआईवी पुणे में होने से वहां बहुत अधिक मात्रा में देश से सैंपल पहुंचने के कारण बहुत अधिक दबाव रहता है, इस कारण देश के अलग-अलग क्षेत्र में चार और लैब बनाई जा रही हैं। दरअसल, खतरनाक और बहुत ज्यादा संक्रामक वायरस की जांच के लिए बायोलॉजिकल सेफ्टी लेवल-4 (बीएसएल) लैब की आवश्यकता होती है। बीएसएल सेफ्टी मानक होता है। यह लैब इस तरह से तैयार की

जाती हैं कि उनसे संक्रमण फैलने की गुंजाइश न रहे। मध्य प्रदेश के कुछ मेडिकल कालेजों में अभी बीएसएल- 2 स्तर की वायरोलॉजी लैब हैं, इस कारण खतरनाक वायरस की जांच नहीं हो पाती। स्टाफ भी उस तरह से प्रशिक्षित नहीं रहता। यह लैब बनने पर जानवरों से इंसान में आने वाली (जूनोटिक) बीमारियां जैसे प्लेग, निपाह वायरस, इबोला, जीका, हंपी वायरस, इबोला, सार्स, एंथ्रेक्स, रिफ्ट वैली फीवर, मंकी पाक्स, काऊ पाक्स आदि की जांच हो सकेगी।वायरोलॉजी लैब में वायरस से होने वाली बीमारियों की ही जांच होती है, पर एनआईवी में ऐसे बैक्टीरियां की जांच और शोध भी किया जा सकता है जिनका उपयोग जैविक आतंकवाद में हो सकता है।

प्रदेश में स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 के जमीनी सत्यापन की प्रक्रिया जारी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। स्वच्छता एक संकल्प है, जिसे मध्यप्रदेश में एक जन आंदोलन बनाया गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छता संकल्प को प्रदेश ने आत्मसात किया है। स्वच्छता आंदोलन के परिणाम दिखाई देने लगे हैं। देश और प्रदेश में हर वर्ष की तरह दुनिया की सबसे बड़ी स्वच्छता प्रतियोगिता स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 जारी है। स्वच्छ सर्वेक्षण में प्रदेश के शहर बहुत गंभीरता के साथ अपनी भागीदारी कर रहे हैं। स्वच्छ सर्वेक्षण के दौरान केन्द्र सरकार की सर्वेक्षण टीमें शहरों में स्वच्छता व्यवस्थाओं का जायजा लेती हैं। इसमें स्वच्छता की आधारभूत तैयारियों का परीक्षण, खुले में शौच से मुक्ति और मल-जल का निस्तारण (ओडीएफ++ और वॉटर+) कचरा मुक्त शहरों के लिए स्टार रेटिंग (1,3 5 व 7 स्टार रेटिंग) सहित कुल तीन परीक्षण किए जाते हैं। अभी प्रदेश में आधारभूत तैयारियों का परीक्षण जारी है, जिसमें 269 शहरों में परीक्षण पूर्ण हो चुका है, शेष शहरों के परीक्षण के लिये टीमें पहुँच रही हैं। इसके बाद ओडीएफ++ और स्टार रेटिंग के परीक्षण शुरू होंगे। मध्यप्रदेश के नगरीय निकाय वर्ष भर शहरी स्वच्छता को सँवारने में जुटे रहते हैं। प्रदेश में नियमित कचरा संग्रहण, परिवहन और निपटान के लिए प्रभावी तंत्र विकसित किया गया है। इससे शहरों की स्वच्छता सुनिश्चित की जा रही है। इसके साथ खुले में शौच पर प्रतिबंध को सफल बनाने के बाद शहरों को ओडीएफ++ और वॉटर+ प्रमाण-पत्र दिलाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग प्रदेश के नागरिकों, युवाओं और जन-प्रतिनिधियों से शहरों को स्वच्छ बनाने में सहयोग की निरंतर अपील कर रहा है। शहरों का बदला हुआ स्वरूप शासन के प्रयासों की सफलता को प्रदर्शित कर रहा है।

जीएमसी, मुख्य गेट का 4 माह बाद भी काम अधूरा , मरीज- डॉक्टर परेशान

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। जीएमसी कैंपस के मेन गेट (रॉयल मार्केट की ओर) को 15 नवंबर को रिनोवेशन के लिए बंद किया गया। यह कहा गया था कि 2- 3 माह में यह गेट खोल दिया जाएगा। बावजूद इसके अब चार महीने का समय बीत चुका है। मरीजों को लंबा चक्कर लगाकर इमरजेंसी गेट और रॉयल मॉर्केट वाले गेट से जाना पड़ रहा है। पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के अनुसार मरम्मत कार्य अभी अधूरा है और इसे पूरा करने में अभी और वक्त लग सकता है। हालांकि, ठोस समय-सीमा नहीं बताई गई है। एंबुलेंस को अग्रसेन चौराहे के पास बनाए गए इमरजेंसी गेट से भेजने के लिए रास्ता बनाया गया है। यह रास्ता फतेहगढ़ की ओर से आने वालों के लिए वन वे है। इस गेट तक पहुंचने के लिए कर्फ्यू वाली माता, मोती मस्जिद और सदर मंजिल से होकर आना पड़ेगा। इसमें करीब 1.5 किलोमीटर का चक्कर लगाना पड़ेगा। बता दें कि इस रोड पर पीक अवर्स में 15 हजार से ज्यादा वाहन एक घंटे के अंदर गुजरते हैं, ऐसे में यहां हमेशा जाम की स्थिति भी बनी रहती है। जो वैकल्पिक रास्ते की व्यवस्था की गई थी वहां भी आम तौर पर गेट बंद रहता है।

30 साल से अधिक उम्र के नागरिकों के लिए संचालित निरोगी काया अभियान में डेढ़ लाख लोगों की हुई स्क्रीनिंग

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। असंचारी रोगों की स्क्रीनिंग के लिए चलाए जा रहे निरोगी काया अभियान के तहत भोपाल में अब तक एक लाख 55 हजार 373 लोगों की उच्च रक्तचाप की स्क्रीनिंग हुई है, जबकि एक लाख 45 हजार 653 लोगों की डायबिटीज की जांच की गई है। 31 मार्च तक चलने वाले इस विशेष अभियान में 30 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की मधुमेह, उच्च रक्तचाप, नॉन अल्कोहलिक फैटी लीवर डिजीज, ओरल, ब्रेस्ट एवं सर्वाइकल स्क्रीनिंग की जा रही है। ये स्क्रीनिंग आयुष्मान आरोग्य मंदिरों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक, सिविल

डिस्पेंसरी, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, सिविल अस्पतालों एवं जिला पर की जा रही है। हितग्राहियों की जांच और उपचार की रिपोर्ट एनसीडी पोर्टल में दर्ज की जा रही है।अभियान में अब तक 12139 लोगों में उच्च रक्तचाप और 13648 में डायबिटीज पाई गई है। इन लोगों को अभियान के दौरान ही पहली बार हाइपरटेंशन और डायबिटीज का पता चला। चिह्नित रोगियों का उपचार नजदीकी स्वास्थ्य संस्थाओं से प्रारंभ किया गया है। दवाइयों के साथ-साथ जीवन शैली में परिवर्तन, खानपान एवं व्यायाम की सलाह भी दी गई है। 46226 लोगों में नॉन एल्कोहोलिक फैटी लीवर डिजीज की स्क्रीनिंग की गई है, इनमें से 11261 लोगों में प्रारंभिक लक्षण मिले हैं। अभियान के दौरान जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारियों द्वारा विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं और फील्ड में पहुंचकर दी जा रही सेवाओं की जानकारी ली जा रही है। नए मरीजों की पहचान के लिए आशा कार्यकर्ताओं द्वारा घर-घर जाकर सीबैक फॉर्म में जानकारी इकट्ठे की जा रही है। सीबैक फॉर्म से प्राप्त जानकारी के आधार पर असंचारी रोग स्क्रीनिंग एवं पंजीयन किया जा रहा है। अभियान में स्क्रीनिंग के साथ-साथ लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए विभिन्न बीमारियों के लक्षण, उससे बचाव एवं उपचार के संबंध में जानकारी दी जा रही है।

उपार्जन, परिवहन एवं भण्डारण में निगरानी के लिए बनेगा केन्द्रीय कृत कंट्रोल कमांड सेंटर : मंत्री राजपूत

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने अफसरों को निर्देश दिये हैं कि धान और गेहूँ उपार्जन, परिवहन और भण्डारण में सामने आने वाली गड़बडियों को रोकने के लिए एकीकृत निगरानी तंत्र जल्द विकसित करें। खाद्य मंत्री श्री सिंह ने अपर मुख्य सचिव खाद्य एवं आयुक्त खाद्य को दिये निर्देश में कहा कि है धान और चावल के मिलिंग और परिवहन के दौरान वाहनों में जीपीएस सिस्टम आवश्यक रूप से लगवाने के साथ उसकी मॉनिटरिंग भी करें। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि मुख्यालय स्तर पर कन्ट्रोल कमांड सेन्टर बनाया जाए जिससे खाद्य विभाग, नागरिक आपूर्ति निगम एवं वेयर हाउसिंग कार्पोरेशन के जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों को पूरे प्रदेश में भण्डारित किये गये उपार्जित धान एवं गेहूँ और चावल की मात्रा, परिवहन और मिलिंग की जानकारी एक ही क्लिक पर उपलब्ध हो जाए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा अनुरूप खाद्य विभाग में जीरो टॉरलेंस की नीति के पारदर्शी तरीके से क्रियान्वयन हेतु खाद्य मंत्री श्री राजपूत हर संभव कोशिश कर रहे हैं। गौरतलब है कि खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने विधानसभा में सदन को आश्वस्त किया था कि उपार्जन, परिवहन, भण्डारण में गड़बड़ी रोकने के लिए एकीकृत प्रणाली विकसित कर होने वाली गड़बड़ियों पर लगाम कसेंगें। दरअसल सहकारिता विभाग के सहयोग से मिलकर गड़बड़ी करने वाली समितियों पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई जारी रखेगें। खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने सदन को आश्वस्त किया था कि जिन जिलों में समितियों में कार्यरत कम्प्यूटर ऑपरेटर द्वारा किसी भी प्रकार की गड़बड़ियां सामने आई है उन पर कठोर कार्रवाई की जाएंगी, किसी को भी बख्शा नहीं जायेगा। प्रदेश में खरीफ उपार्जन वर्ष 2024-25 के तहत उपार्जित धान की मिलिंग का कार्य विभिन्न मिलर्स के माध्यम से प्रक्रियाधीन है। खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने प्रबंध संचालक नागरिक आपूर्ति निगम को 11 फरवरी 2025 को निर्देश दिये थे कि धान की मिलिंग कार्य उपरांत मानक गुणवत्ता के चावल प्राप्त करने के लिए नागरिक आपूर्ति निगम द्वारा मुख्यालय स्तर पर एक दल गठित कर मिलिंग के दौरान समय-समय पर सीएमआर की रैंडम जांच सुनिश्चित करें। खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि को लिखी गई नोटशीट के संबंध में खरीफ उपार्जन वर्ष 2024-25 में धान की मिलिंग उपरांत चावल की गुणवत्ता भारत शासन के निर्धारित मापदंडों के अनुरूप सुनिश्चित करने के लिए एक 3 सदस्यीय दल नागरिक आपूर्ति निगम के द्वारा गठित किया गया है। टीम में मुख्यालय में पदस्थ सहायक महाप्रबंधक (परिदान), सहायक महाप्रबंधक (गु.नि.), गुणवत्ता नियंत्रक (मुख्यालय) को शामिल किया गया है। यह समिति समय-समय पर जिलों में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी सामने आने पर संबंधित के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने के साथ तत्समय वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराएंगी।

अप्रैल के पहले हफ्ते में आएगा निगम का बजट

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। शहर सरकार यानी नगर निगम का बजट और टल गया है। वित्त वर्ष के अंतिम सप्ताह में वसूली अभियान पर फोकस करने और स्वच्छता सर्वे को देखते हुए निगम प्रशासन ने बजट को अप्रैल के पहले सप्ताह तक टाल दिया है। सामान्य रूप से नगर निगम परिषद की बैठक की तैयारी आदि में सभी अधिकारी दो से तीन दिन तक व्यस्त रहते हैं। ऐसे में वसूली अभियान और स्वच्छता सर्वे दोनों पर विपरीत असर पड़ सकता है।

निगम प्रशासन इस बार पानी के बल्क कनेक्शन की फीस कम करने पर विचार कर रहा है, ताकि निजी कालोनियां बल्क कनेक्शन लेने में रुचि दिखाएं। व्यक्तिगत कनेक्शन की फीस पर भी विचार हो रहा है। इस पर अंतिम निर्णय एमआईसी में होगा। एमआईसी की बैठक के एक सप्ताह बाद परिषद बैठक होगी।

ऑनलाइन बुकिंग और भुगतान पर लगाई रोक

नगर निगम में अब नए काम की बुकिंग और नए पेमेंट पर रोक लग चुकी है। कामकाज के ऑनलाइन सिस्टम को लॉक कर दिया गया है। जो काम हो रहे हैं, वह होते रहेंगे। किसी को भुगतान भी नहीं होगा। अब पहले बजट पेश होगा। प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही नया काम की बुकिंग और नए भुगतान हो पाएंगे।

कलेक्टर श्री सिंह ने किया गेहूं उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह द्वारा शुक्रवार को तहसील बैरसिया एवं हुजूर के अंतर्गत आने वाले गेहूं उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बैरसिया स्थित भगवती वेयरहाउस तरावली एवं श्रीराम वेयरहाउस भैंसोंदा का दौरा किया। श्रीराम वेयरहाउस में कलेक्टर ने स्वयं मॉइश्चर मशीन पर गेहूं के नमी स्तर का परीक्षण किया। पहले सूखे गेहूं की जांच की गई, फिर हल्का पानी छिड़ककर गीले गेहूं का परीक्षण किया गया ताकि मॉइश्चर मीटर की कार्यक्षमता सुनिश्चित की जा सके। भगवती वेयरहाउस तरावली में उन्होंने उपार्जित गेहूं के बोरों पर किसान पंजीयन कोड की पर्चियों की स्थिति का निरीक्षण किया। मौके पर उपस्थित एसडीएम बैरसिया श्री आशुतोष शर्मा एवं एसडीएम हुजूर श्री विनोद सोनकिया को निर्देश दिए गए कि सभी उपार्जन केंद्रों का राजस्व अधिकारी नियमित भ्रमण करें। साथ ही किसानों की सुविधा के लिए स्वच्छ एवं ठंडे पेयजल, छाया, पंडाल, कुर्सियों एवं अल्पाहार में चना, मूंगफली के दाने तथा गुड़ की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उपार्जन प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए पर्याप्त संख्या में तौल कांटे, हम्माल एवं तुलावटी की उपलब्धता भी सुनिश्चित करने को कहा गया।

सीधी में एक घंटे तक हुई आंधी और ओलावृष्टि

कई मकान क्षतिग्रस्त, फसलें बर्बाद, प्रशासन कर रहा नुकसान का आकलन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। शुक्रवार-शनिवार की रात कुसमी तहसील में आई तेज आंधी-तूफान और ओलावृष्टि ने भारी तबाही मचाई। कई लोगों के घर क्षतिग्रस्त हो गए। किसानों की फसलें भी बर्बाद हो गईं।

ग्राम कोडार में राजकुमार अगरिया का मकान गिर गया। ग्राम कुसमी में रामजी साहू के यहां बड़ा पेड़ गिरने से नुकसान हुआ। घटना के समय प्रभावित परिवार घरों में सो रहे थे। सौभाग्य से कोई जनहानि नहीं हुई।

अखंड पाठक और रामजी साहू समेत कई अन्य लोगों के घरों को भी नुकसान पहुंचा। तेज हवाओं और ओलावृष्टि से फसलें बर्बाद हो गईं। किसान पहले से ही आर्थिक संकट में हैं। अब फसल बर्बाद होने से उनकी परेशानी बढ़ गई है।

जल्द की जाएगी क्षतिपूर्ति: तहसीलदार एकता शुक्ला ने बताया कि नुकसान का आकलन किया जा रहा है। प्रभावित किसानों और मकान मालिकों के लिए पटवारी से रिपोर्ट मंगाई गई है। जल्द ही पात्र लोगों को क्षतिपूर्ति राशि दी जाएगी।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इतनी तेज आंधी-तूफान बहुत कम देखने को मिलती है। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में भी बारिश और तेज हवाओं की चेतावनी दी है। प्रशासन ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

चना, मसूर और गेहूं की फसल बर्बाद, किसानों ने मांगा मुआवजा

सीधी में शनिवार तड़के मौसम ने अचानक करवट ली। सुबह 4 बजे झमाझम बारिश के साथ ओलावृष्टि शुरू हो गई। करीब एक घंटे तक लगातार ओले गिरने से कुसमी और टमसार सहित आसपास के गांवों में भारी नुकसान हुआ। इस समय किसान चना, मसूर, अरहर और गेहूं की फसल कटाई की तैयारी कर रहे थे। ओलावृष्टि से खेतों में पकने को तैयार फसलें पूरी तरह तबाह हो गईं। चना, मसूर और अरहर की फसलें मलबे में तब्दील हो गईं। गेहूं की बालियां टूटकर गिर गईं।

क्षेत्र के किसान किशन राम सुमिरन बैगा, प्रशांत बैगा और शिवकिशोर गुप्ता सहित कई किसानों की फसलें बर्बाद हो गईं। किसानों का कहना है कि वे पहले से ही महंगाई और कर्ज से परेशान हैं। अब यह प्राकृतिक आपदा एक और संकट बनकर आई है।

किसानों ने प्रशासन से तुरंत सर्वे कराकर मुआवजा देने की मांग की है। प्रशासन की ओर से अभी तक कोई राहत घोषणा नहीं की गई है। किसानों को उम्मीद है कि सरकार जल्द ही फसल का मुआवजा देगी। सीधी कलेक्टर स्वरोचिस सोमवंशी ने किसानों के प्रति संवेदना जताई है। उन्होंने कहा कि जल्द ही सर्वे कराकर उचित निर्णय लिया जाएगा।

धान से भरा ट्रक नदी में गिरा

चालक को मामूली चोट, क्रेन से वाहन निकालने का काम जारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के कमर्जी थाना क्षेत्र में शनिवार शाम 4 बजे रेही नदी में धान से भरा एक ट्रक बेकाबू होकर गिर गया। हादसे में ट्रक चालक को मामूली चोटें आईं।

घटना के समय ट्रक धान लेकर वेयरहाउस की ओर जा रहा था। रास्ते में संतुलन बिगड़ने से ट्रक नदी में जा गिरा। चालक को स्थानीय लोगों ने बाहर निकाला। वह इलाज के लिए मौके से चला गया, जिससे उसकी पहचान नहीं हो पाई।

सूचना मिलते ही कमर्जी थाना प्रभारी पवन सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस प्रशासन ने तुरंत क्रेन की व्यवस्था की। ट्रक और उसमें लदे धान को सुरक्षित निकालने का काम शुरू कर दिया गया। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से पुल और सड़क की स्थिति सुधारने की मांग की है। उनका कहना है कि इससे भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सकेगा।

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से महिला की मौत

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। जैतपुर के तितरा गांव में शनिवार दोपहर आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला की मौत हो गई। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। जानकारी के अनुसार शनिवार दोपहर करीब 12 बजे अचानक मौसम खराब हो गया। तेज हवा के साथ ओले गिरने लगे। रमसखिया केवट(55) कुनुक नदी किनारे अपने खेत में सब्जियों की देखरेख करने गई थीं। ओले गिरने से वे अपने खेत में बनी झोपड़ी में आ गई। इसी दौरान झोपड़ी पर आकाशीय बिजली गिर गई, जिससे महिला की मौके पर ही मौत हो गई।

आस-पास के खेतों में मौजूद लोगों ने तेज धमाका सुना। कुछ देर बाद जब वे अपनी झोपड़ियों से बाहर निकले तो महिला की झोपड़ी से धुआं निकलता देखा। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। जैतपुर थाना प्रभारी रामकुमार गायकवाड ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है।

अवैध रेत खनन पर कार्रवाई

टाटा टिप्पर जब्त, चालक और वाहन मालिक पर मामला दर्ज

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। अनूपपुर पुलिस ने अवैध रेत खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने परसवार गांव में अवैध रेत से भरे टाटा टिप्पर को पकड़ा है।

टीआई अरविन्द जैन के नेतृत्व में टीम ने शनिवार को परसवार में छापेमारी की। टीम में सहायक उपनिरीक्षक सुरेन्द्र प्रताप सिंह, आरक्षक राजेश बड़ोले और सत्यवीर तोमर शामिल थे। पुलिस ने टाटा कंपनी का टिप्पर (नंबर एमपी 18 जीए 4537) जब्त किया।

टिप्पर के चालक अंकित पासी (24 वर्ष) को मौके पर ही पकड़ा गया। वह परसवार का रहने वाला है। पुलिस ने वाहन मालिक राकेश विश्वकर्मा के खिलाफ भी कार्रवाई की है। राकेश अनूपपुर के वार्ड नंबर 9 का निवासी है।

कोतवाली थाने में दोनों के खिलाफ खान खनिज अधिनियम की धारा 303(2) और 317(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है। प्रकरण क्रमांक 128/25 के तहत आगे की कार्रवाई जारी है।

18 दिन पहले हुई 20 लाख की चोरी

किसान के घर से जेवरात और नकदी ले उड़े थे चोर, पुलिस के हाथ अब भी खाली

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर के नुना गांव में हुई 20 लाख रुपए की चोरी को लेकर पुलिस के हाथ 18 दिन के बाद भी खाली हैं। किसान बली पटेल के घर से 4 मार्च को 20 लाख रुपए की चोरी हुई थी। बली खेत से घर लौटे तो उन्हें घर के दरवाजे खुले मिले। चोर घर से 52 हजार रुपए नकद और करीब 19.48 लाख रुपए के सोने-चांदी के जेवरात ले गए थे।

पीड़ित ने तुरंत हंड्रेड डायल को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शिकायत दर्ज की। बली ने एक संदिग्ध का नाम पुलिस को बताया। पुलिस ने उस व्यक्ति से पूछताछ की और बाद में छोड़ दिया। 18 दिन बाद भी पुलिस न तो चोरी का खुलासा कर पाई है और न ही माल बरामद कर पाई है। पीड़ित के अनुसार इस दौरान पुलिस केवल दो बार उनके घर आई है।

एसपी से मिलने पहुंचे गांव के लोग: शनिवार को नुना गांव के दो दर्जन से अधिक ग्रामीण एसपी कार्यालय पहुंचे। उन्होंने चोर की गिरफ्तारी और माल की बरामदगी की मांग की। गढ़ीमलहरा थाना प्रभारी सुरभि शर्मा ने बताया कि रीता सिंह मामले की जांच कर रही हैं। कई लोगों से पूछताछ की गई है और जल्द ही इस मामले का खुलासा किया जाएगा।

केन-बेतवा लिंक प्रोजेक्ट में बड़ी कामयाबी

पन्ना नगर और पहाड़ीखेड़ा का सर्वे होगा, जल संसाधन मंत्री ने विधायक की मांग मानी

मीडिया ऑडीटर, पन्ना (निप्र)। पन्ना में केन-बेतवा लिंक प्रोजेक्ट को विधायक बृजेन्द्र प्रताप सिंह की मांग पर जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट ने पन्ना नगर और पहाड़ीखेड़ा क्षेत्र को सर्वे में शामिल करने की सहमति दे दी है।

विधायक ने विधानसभा में यह मुद्दा 20 मार्च को उठाया था। उन्होंने बताया कि पन्ना टाइगर रिजर्व में विधानसभा की करीब 7 हजार हेक्टेयर भूमि आती है। जल संसाधन मंत्री ने 15 गांवों के प्रभावित होने की बात कही थी। हालांकि, रिकॉर्ड में सिर्फ 6 गांव दर्ज हैं। इस प्रोजेक्ट से लगभग 8 लाख हेक्टेयर जमीन की सिंचाई का लक्ष्य है।

मंत्री सिलावट ने शुरू में ऊंचाई का मुद्दा उठाकर इस मांग को टालने की कोशिश की। विधायक ने इस पर स्पष्ट किया कि प्रोजेक्ट 360 मीटर की ऊंचाई तक पानी पहुंचा सकता है। ऐसे में मात्र 160 फीट की ऊंचाई कोई बड़ी चुनौती नहीं है।

विधायक के लगातार दबाव के बाद मंत्री को यह मांग माननी पड़ी। अब पन्ना नगर और पहाड़ीखेड़ा क्षेत्र का सर्वे किया जाएगा। यह फैसला क्षेत्र के जल संकट को दूर करने में मददगार साबित हो सकता है।

विश्व उपभोक्ता संरक्षण दिवस पर उपभोक्ताओं को किया गया जागरूक

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग भोपाल के निर्देशानुसार 21 मार्च को खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग सीधी द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में विश्व उपभोक्ता संरक्षण दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सदस्य जिला विवाद प्रतितोषण आयोग विभा पांडे की गरिमामयी उपस्थिति रही। विशिष्ट अतिथि के रुप मे विंध्य उपभोक्ता संरक्षण परिषद के जिला सीधी के अध्यक्ष हरीश मिश्र एवं अखिल भारतीय उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष प्रमोद मिश्रा की उपस्थिति रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला आपूर्ति अधिकारी सीधी नागेंद्र सिंह परिहार द्वारा की गई।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सदस्य जिला विवाद प्रतितोषण आयोग सीधी विभा पांडे द्वारा उपभोक्ताओं के संरक्षण हेतु कानूनी प्रावधान व आयोग की शक्तियों से अवगत कराया गया। विंध्य उपभोक्ता संरक्षण परिषद के अध्यक्ष हरीश मिश्रा द्वारा उपभोक्ता हित मे नापतौल विषय से संबंधित व्यावहारिक एवं उपयोगी जानकारी प्रदान की गई। एडवोकेट प्रमोद मिश्रा अध्यक्ष अखिल भारतीय उपभोक्ता परिषद द्वारा उपभोक्ताओं के हित में अपने विचार प्रस्तुत किए गए। जिला आपूर्ति अधिकारी सीधी नागेंद्र सिंह परिहार द्वारा उपभोक्ता जागरूकता विषय में अपना अध्यक्षीय उद्बोधन दिया गया।

सिंगरौली के कॉलेज में छात्र ने प्रोफेसर को पीटा

ड्रेस कोड पर टोकने से नाराज था पूर्व एमएलए का भतीजा, एसपी ऑफिस पहुंचकर सौंपा ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली के बैढ़न स्थित प्रधानमंत्री एक्सीलेंस कॉलेज में एक छात्र की ओर से अंग्रेजी के प्रोफेसर के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। प्रोफेसर नितेश सिंह ने बताया कि शुक्रवार सुबह उन्होंने एक छात्र को बिना ड्रेस के कॉलेज में प्रवेश करने पर टोका था।

शाम करीब 6 बजे प्राचार्य एमयू सिद्दीकी ने प्रोफेसर को अपने कक्ष में बुलाया। वहां छात्र नेता अरुणेंद्र पांडे और पूर्व विधायक सुभाष चंद्र वर्मा के भतीजे निखिल वर्मा ने प्रोफेसर के साथ मारपीट की। इस घटना में प्रोफेसर के हाथ में चोट आई है।

कॉलेज में डर का माहौल घटना के 24 घंटे बाद भी बैढ़न थाने में एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। विरोध में प्रोफेसर और उनके साथी शनिवार को कॉलेज से एसपी कार्यालय तक रैली लेकर पहुंचे। कॉलेज की प्रोफेसर डॉ. विभा सिंह ने कहा कि अब कॉलेज में डर का माहौल है।

हिंदी विभाग की प्रमुख डॉ. प्रिंसी का कहना है कि प्राचार्य राजनीतिक दबाव में हैं। प्रोफेसर्स ने सुरक्षा और सम्मान की मांग की है।अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुन्नू परस्ती ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है और जल्द ही एफआईआर दर्ज की जाएगी।

जिला पंजीयक ने एमपीपीएससी प्रारंभिक परीक्षा 2025 के प्रश्नों और आर्थिक सर्वे 2024-25 पर चर्चा की

सीधी। जनपद पंचायत के सभागार में संचालित यूपीएससी और एमपीपीएससी निरूशुल्क कोचिंग के छात्र-छात्राओं से जिला पंजीयक अभिषेक बघेल ने एमपीपीएससी प्रारंभिक परीक्षा 2025 के सामान्य ज्ञान और सीसैट के प्रश्नों पर चर्चा की। इस दौरान सहायक संचालक निःशुल्क कोचिंग क्लासेस किरण भारती, शिक्षिका दीक्षा लोधी, शिक्षक गुरुदेव मिश्रा और छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। जिला पंजीयक अभिषेक बघेल ने अभ्यर्थियों को समझाया कि पेपर के अनुसार कौन से विषय और टॉपिको पर पढ़ते समय ज्यादा ध्यान देना है। साथ ही उन्होंने अभ्यार्थियों को आर्थिक सर्वे के बारे में बताया कि आर्थिक सर्वे का उल्लेख संविधान में कहीं पर भी नहीं है और इसे बजट के एक दिन पहले संसद में पेश किया जाता है।

ओडिशा से लाया 14 किलो गांजा जब्त

दो तस्कर कार से ले जा रहे थे, पन्ना-सतना हाईवे पर की कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, पन्ना (निप्र)। पन्ना जिले में पुलिस ने गांजा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। देवेंद्रनगर और सलेहा थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने पन्ना-सतना एनएच 39 पर नुनाही पेट्रोल पंप के पास से दो तस्करों को गिरफ्तार किया है।

देवेंद्रनगर थाना प्रभारी हरवचन कुड़ापे को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ लोग स्विफ्ट कार में गांजा लेकर मैहर से देवेंद्रनगर की तरफ आ रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने नुनाही पेट्रोल पंप के सामने नाकाबंदी की।

जांच के दौरान पुलिस ने स्विफ्ट कार (एमपी53सीए3599) को रोका। कार में इस्लाम मोहम्मद (पिता इख्तयार मोहम्मद) और शाहिद (पिता मोहम्मद शहीद) सवार थे। कार की डिग्गी में रखे दो सूटकेस से 14 किलो 705 ग्राम गांजा बरामद हुआ। जब्त किए गए गांजे की कीमत लगभग 3 लाख रुपए आंकी गई है।

पुलिस ने गांजा और कार को जब्त कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों को शनिवार को न्यायालय में पेश किया जाएगा।

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर उमड़ा भक्तों का सैलाब

चौथे दिन भगवान वामन अवतार-श्रीकृष्ण जन्म की झांकी निकली

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर में सिटी कोतवाली के पीछे वार्ड नंबर 28 में चल रहे श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। वृंदावन के कथावाचक पंडित अनिल कुमार शास्त्री ने चौथे दिन वामन अवतार और भगवान श्रीकृष्ण के जन्म की लीला का वर्णन किया। कथा का आयोजन 24 मार्च तक प्रतिदिन शाम 4 बजे से देर रात तक होगा। कार्यक्रम की शुरुआत नर्वदेश्वर मंदिर से निकली विशाल कलश यात्रा से हुई। यह यात्रा सिटी कोतवाली बालाजी मंदिर और कड़ा की बरिया होते हुए कथा स्थल पर पहुंची।

आयोजन समिति के गिरजा पाटकर ने बताया कि चौथे दिन भगवान वामन अवतार और श्रीकृष्ण जन्म की सुंदर झांकी के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। पंडित शास्त्री जी ने कथा में समुद्र मंथन का प्रसंग सुनाया। उन्होंने बताया कि जीवन में उच्च शिखर पर पहुंचने के लिए विष रूपी नकारात्मक परिस्थितियों से गुजरना पड़ता है। कथा में मत्स्य अवतार, मनु-सतरूपा और अमरीश के चरित्र का वर्णन किया गया। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के दौरान भक्तों ने 'बधाई हो बधाई' के गीत गाए। कार्यक्रम में पटाखे फोड़े गए, मिठाइयां बांटी गईं और भक्तों को खिलौने वितरित किए गए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

खो-खो खिलाड़ियों को किया गया प्रोत्साहित

सीनियर राज्यस्तरीय प्रतियोगिता जबलपुर में करेंगे जिले का प्रतिनिधित्व

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तथा जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी अरविंद श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में व एरो माइनिंग कंसल्ट कंपनी कर्नाटक व मुंबई के संस्थापक रवि चंद्रन राज के निर्देशन में सीधी के सीनियर राज्यस्तरीय बालक बालिका खो-खो खिलाड़ियों को 22 हजार रुपये प्रोत्साहन राशि दी गई व विजयी भवः की शुभकामनाएँ दी गई। 57वी सीनियर राज्यस्तरीय खो-खो प्रतियोगिता महिला एवं पुरुष का आयोजन जबलपुर में 26, 27 एवं 28 मार्च को होना सुनिश्चित हुआ है, जिसमें सीधी जिले के 30 खिलाड़ी 15 पुरुष व 15 महिला इस आयोजन में सम्मिलित होंगे।

सीधी जिले के आदिवासी बाहुल्य ग्राम पंचायत क्षेत्र हड़बड़ो के सभी खो-खो खिलाड़ियों का अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक व जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी अरविंद श्रीवास्तव एवं ऐरो माइनिंग कंसल्ट कंपनी के संस्थापक रवि चंद्रन राज से खेल संवाद हुआ। खिलाड़ियों से संवाद के दौरान सभी बच्चो का परिचय व उनकी प्रतिभा जानने के साथ ही उनके इस राज्यस्तरीय प्रतियोगिता हेतु आर्थिक स्थिति जानना चाहा जिसमें बच्चो के द्वारा स्वयं के व्यय की बात सामने आई व कुछ बच्चो के द्वारा ऐसे खेल भाव को प्रकट किया गया जैसे खेल हेतु उधार पैसे लेने व खेल के बाद सहयोग स्वरूप कार्य करके उधार पैसे को चुका देने की बात अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक व ऐरो माइनिंग कंसल्ट कंपनी के संस्थापक को बहुत प्रभावित किया। खिलाड़ियों के इस खेल स्पिरिट को देखते हुए तत्काल ही खिलाड़ियों को 6 हजार रुपये नकद व 16 हजार रुपये का बैंक चेक सौंपा गया जिससे खिलाड़ियों के एंट्री फीस बिना किसी दिक्कत के जमा हो सके व खिलाड़ियों को खेल में धन का अभाव आड़े ना आए। साथ ही उनके उज्ज्वल भविष्य, विजय की कामना के साथ बच्चों को शुभकामनाएं दी गई। खिलाड़ियों के खेल सुविधाओं के अभाव में भी उत्साह, जज्बा व खेल क्षेत्र में उपलब्धता को देखते हुए अधिकारी प्रभावित हुए व खिलाड़ियों के सुनहरे भविष्य के लिए अच्छी खेल सुविधा खेल सामग्री उपलब्ध हो पाए ऐसा प्रयास करने का आश्वासन दिया।

ये सभी खिलाड़ी मानिंद शेर अली खान जिला खेल प्रशिक्षक (कोच) खेल एवं युवा कल्याण विभाग जिला सीधी एवं दिवाकर सिंह चौहान हड़बड़ो निवासी के संरक्षण में खेल ट्रेनिंग प्राप्त करते हैं तथा दूर-दूर तक खेल विधाओ में हिस्सा लेकर गाँव, जिला, राज्य, देश के साथ-साथ विदेश की धरती पर भी भारत का नाम रोशन करते हैं। बच्चो में यह राशि आनंद के साथ उम्मीद की नई किरण साबित होगी।

महिला खिलाड़ी- आराधना सिंह, दीपा सिंह, प्रीति सिंह, सुप्रिया सिंह, मधु सिंह, राधा सिंह चौहान, अनीता सोंधिया, मीनाक्षी सिंह चौहान, समीक्षा सिंह चौहान, सीताकली सिंह, जनवी सिंह, सुभी साकेत, किरण जायसवाल, शोभिता शर्मा, उजाला सिंह।

पुरुष खिलाड़ी- कैलाश गुप्ता, अमर साकेत, अनिरुद्ध, अजय सिंह, कमल पनिका, सौरभ सिंह चौहान, जय केवट, अभिषेक पनिका, अभिमन्यु सेन, विवेक यादव, शिवम् शुक्ला, सजन सिंह, अमित जायसवाल, अनुराग गुप्ता, कपिल यादव।

मुख्यमंत्री मछुआ समृद्धि योजना अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

सीधी। कृषि विज्ञान केंद्र सीधी में मुख्यमंत्री मछुआ समृद्धि योजना अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन शुक्रवार को किया गया जिसमें उपस्थित हितग्राहियों को मत्स्य पालन की उन्नत तकनीकी, मत्स्य बीज संवर्धन तथा झींगा पालन विषय पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में कृषि स्थाई समिति जिला पंचायत सीधी की अध्यक्ष हीराबाई सिंह, जिला पंचायत सदस्य कृष्ण दास साकेत, उपसंचालक मत्स्य उद्योग रीवा संभाग रीवा डॉ अंजना सिंह, उपसंचालक कृषि संजय श्रीवास्तव, सहायक संचालक उद्यानिकी मंगल सिंह डोड़वे, कृषि विज्ञान केंद्र सीधी की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अलका सिंह, वैज्ञानिक एस एस गौतम, सेवानिवृत्त सहायक संचालक मत्स्य उद्योग वाय पी वर्मा, सहायक संचालक मत्स्य उद्योग दीपक शुक्ला, मत्स्य निरीक्षक मयंक मिश्रा व विभिन्न मछुआ सहकारी समितियों एवं मछुआ समूहों के सदस्य तथा व्यक्तिगत मत्स्य पालक उपस्थित रहे।

विचार

आखिर कब तक नदियों में डूबते रहेगें पर्यटक व छात्र?

आखिर कब तक नदियों में डूबते रहेंगे लोग यह एक यक्ष प्रश्न बन गया है जून 2014 में बहुत बड़ा हादसा हुआ था जब हैदराबाद के कालेज के चौबीस छात्र डूब गए थे लेकिन यह हादसे रुकने के बजाय बढ़ते ही जा रहे हैं 20 मार्च को एक बार फिर कुल्लू के लारजी में हादसा हो गया पिन पार्वती नदी में दो छात्र डूब गए अभी तक उनकी लाशें नहीं मिल पाई हैं सर्च ऑपरेशन जारी है द्यप्रतिवर्ष हिमाचल में पर्यटकों व लोगों और छात्रों के डूबने के हादसे होते रहते हैं।परन्तु सबक न सीखना लोगों व दूसरे राज्यों से हिमाचल घूमने आए पर्यटकों की आदत बनता जा रहा है। ताज़ा घटनाक्रम थलोट में हुआ जहाँ आईटीआई के दो छात्र दरिया में डूब गए द्य सेकड़ों हादसे हो चुके हैं प्रशासन को इन हादसों पर संज्ञान लेना चाहिए द्यबीते 8 जून 2019 को हिमाचल में डूबने की तीन घटनाएं घटित हुई थी ।एक दिन में खडडों में नहाने उतरे तीन लोगों की दर्दनाक मौतों से जनमानस खौफजदा है ।चंबा के भटियात में कलम खडड में नहाने उतरे सात साल के बच्चे की मौत गई ।यह दूसरी कक्षा का छात्र था ।नादौन में भी कुनाह खडड में नहाने उतरा एक 22 साल का युवक डूब गया था । तीसरी घटना पर्यटक स्थल बरोट-मुल्थान में घटित हुई थी जहां उहल नदी में नहाते समय हरियाणा के पर्यटक की डूबने से मौत हो गई थी ।वह 250 मीटर दूर तक पानी के बहाव में बह गया था ।पुलिस ने शव को बरामद कर लिया था ।पर्यटक भी अपनी मनमानी से बाज नहीं आते है।करीब 11 साल पहले 2014 में मण्डी में हुए दर्दनाक हादसे को आज भी लोग नहीं भूले है जून 2014 में हैदराबाद के एक कालेज के छात्र-छात्राएं जो हिमाचल भ्रमण पर आए थे थलौट में दरिया के किनारे नहाने उतर गए थे जब लारजी प्रोजैक्ट से पानी छोड़ा था उसमें 24 छात्रों की मौत हो गई थी लगभग एक महिना सर्च आपरेशन चलाया गया और तब जाकर उनकी लाशों का निकाला गया था जिसमें करोड़ों रुपया खर्च आया था ।गनीमत रही कि दूसरी बस के छात्र नहाने नहीं उतरे तो कम से कम 50 छात्र मारे जातें। मनाही के बावजूद भी खडडों में नहाने का जोखिम उठा रहे हैं और बेमौत मारे जा रहे है ।पिछले दस सालों में हजारों पर्यटक डूब कर मर चुके हैं।लाशें तक बरामद नहीं हो रही है फिर थी जानबूझकर मौत को आमंत्रण देते है। कांगडा में भी नदी किनारे दो भाई बहन कपड़े धोने गए थे कि भाई का पांव फिसला और वह नदी में डूब गया उसको बचानें के लिए बहन पानी में कूद गई और दोनों बेमौत मारे गए। देश की नदियों में नौनिहालों के डूबने के मामले बढ़ते ही जा रहे हैं। आखिर लोग जान जोखिम में डालने से क्यों नहीं मान रहे है। देश की नदियों में नौनिहालों के डूबने के मामले बढ़ते ही जा रहे है।प्रशासन को इन हादसों पर संज्ञान लेना चाहिए।

ट्रंप के टैरिफ टेरर अटैक से नया भूचाल

अमेरिका में इस बार चुनाव के दौरान ही ट्रंप के आक्रामक तेवर बता रहे थे कि वो न केवल नया कुछ करेंगे बल्कि सभी राष्ट्रपतियों से बड़ी लकीर खीचेंगे। 13 जुलाई 2024 को उन्हें मारने की कोशिश के दौरान चली गोली जो कान छूते निकली और पूरे चुनावी रुख को बदल डाला। कहीं मौत और ट्रंप के बीच का सेकेंड्स से भी कम का ये फासला ही सत तेवरों की वजह तो नहीं? उनके मुंह से तब निकले फाइट, फाइट, फाइट शद अब हकीकत में दुनिया के लिए चुनौती बन रहे हैं। ट्रंप कड़े और बड़े फैसले लेकर सबसे 'फाइट' कर रहे हैं। या उनका दूसरा कार्यकाल अमेरिका और दुनिया में नया इतिहास रचेगा? सबसे ज्यादा परेशानी और हैरानी उनकी हालिया टैरिफ घोषणाओं से है जो दुनिया में चिंता का सबब है।

आखिर टैरिफ है क्या? जिससे ट्रंप की घोषणा के बाद बड़ा वैश्विक भूचाल आया? यह दूसरे देशों से आयातित वस्तुओं पर लगाया जाने वाला टैक्स है। जिसका भुगतान आयातक करते हैं। किसी वस्तु पर 10 फीसदी टैरिफ का मतलब भारत से अमेरिका पहुंची 5 डॉलर की उस वस्तु पर 0.50 डॉलर का अतिरिक्त टैक्स है। इससे आयातित वस्तु का दाम बढ़ता है और खरीददार सस्ते घरेलू उत्पाद ढूंढ़ने लगते हैं। नतीजन आयात करने वाले देश को अपनी अर्थव्यवस्था बढ़ाने में सहयोग मिलता है। लेकिन ट्रंप का नजरिया अलग है। वो इसे अमेरिकी अर्थव्यवस्था बढ़ाने, नौकरियों की रक्षा करने और कर राजस्व बढ़ाने के तौर पर देखते हैं।

दुनिया के अमीरों में शुमार दिग्गज निवेशक वॉरेन बफेट जिनके बारे में कहा जाता है कि वो दुनिया के शेयर बाजार की चाल को नियंत्रित करते हैं भी ट्रंप के इस कदम से नाखुश हैं। बफेट टैरिफ नीतियों को युद्ध जैसा कदम मानते हैं। महंगाई और उपभोक्ताओं पर बोझ बढ़ने की आशंकाएं जताते हैं। इससे दीर्घकालीन अवधि में आर्थिक प्रभावों पर दुष्प्रभाव तथा आम उपभोक्ताओं पर बोझ बढ़ने की आशंका जताते हैं। बफेट की टिप्पणी इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि वह ट्रंप के चीन, कनाडा और मैक्सिको पर टैरिफ बढ़ाने की घोषणा के बाद आई। इससे ग्लोबल ट्रेड वॉर और बढ़ा जो निवेशकों की गहरी चिंता का सबब है। टैरिफ पर अमेरिका और चीन आमने-सामने हैं। चीन चेतावनी दे चुका है कि वो इससे निपटने खातिर तैयार है। अमेरिकी दबाव का मुकाबला करेगा। चीनी

वस्तुओं पर टैरिफ बढ़ते ही दुनिया की दो दिग्गज अर्थव्यवस्थाओं के मध्य व्यापार युद्ध के आसार झलकने लगे हैं। चीनी विदेश मंत्री वांग का बयान कि यदि कोई देश केवल अपने हित आगे बढ़ाने लगे तो दुनिया में जंगल का कानून लागू हो सकता है। उन्होंने याद दिलाया कि अमेरिका को फेंटेनाइल महामारी से निपटने में बीजिंग का सहयोग नहीं भूलना चाहिए। क्या वाशिंगटन इस उदारता का बदला अकारण टैरिफ बढ़ा ले रहा है? सच है कि चीन लंबे समय से विश्व का कारखाना बना हुआ है। 1970 के आखिर में जैसे ही चीन ने अपनी अर्थव्यवस्था दुनिया के लिए खोली तबसे सस्ते श्रम और बुनियादी ढांचे में सरकारी निवेश के चलते ऊंचाइयां छूता चला गया। शायद ट्रंप को यही चीनी सफलता चुभ रही हो? दुनिया की निगाहें ट्रंप के टैरिफ युद्ध खासकर चीन की मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री पर है कि उसे कितना नुकसान पहुंच सकता है।

दूसरी ओर ट्रंप इस बार अपने व्यापारी मित्रों, सहयोगियों और सलाहकारों से ज्यादा घिरे दिखते हैं। टैरिफ उनके इकोनॉमिक प्लान्स का हिस्सा है। इससे अमेरिकी मैन्युफैक्चरिंग और रोजगार बढ़ेंगे। गौरतलब है कि उनके खास मित्र एलेन मस्क भारत में संभावनाओं को खोज ही रहे थे कि ट्रंप की सत्ता वापसी हुई। माना कि मस्क की टेस्ला कार की कीमत एक करोड़ होगी उस पर भारत में उतना ही टैरिफ लगेगा जिससे यहां कीमत दो करोड़ हो जाएगी। यदि दबाव के चलते कहीं शून्य टैरिफ वाली स्थिति बनी तो वही कार एक करोड़ में भारत में मिलेगी। इससे भारतीय कार बाजार को जबरदस्त चुनौती तय है।

यकीनन बात बहुत बिगड़ चुकी है। भारत समझता है कि ट्रंप जब कनाडा, यूरोपीय देशों और चीन को भी नहीं बख्श रहे तो भारतीय हितों व सम्मान की रक्षा खुद करनी होगी। वहीं ट्रंप ने अमेरिकी कांग्रेस के पहले संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए ऐतिहासिक भाषण दिया। इसमें भारत का नाम फिर उन देशों के साथ लिया जिन्होंने अपनी ऊंची शुल्क दर से नरम अमेरिकी नीति का फायदा उठाया। अमेरिका आगामी दो अप्रैल से इन देशों पर 'जैसे को तैसा' या आंख के बदले आंख की तर्ज पर रेसिप्रोकल टैरिफ लगाएगा। जो देश जितना टैरिफ अमेरिकी कंपनियों पर लगाएगा, अमेरिका भी उतना ही अपने यहां लगाएगा। इससे भारतीय एक्सपोर्ट महंगा होगा। खाद्य पदार्थ, टेक्सटाइल्स, कपड़े, इलेक्ट्रिकल मशीनरी, जेम्स एंड ज्वेलरी, फार्मास्यूटिकल्स और ऑटोमोबाइल सामग्रियां अमेरिकी बाजार में महंगी होंगी। नतीजन भारतीय उत्पाद वहां अभी जैसे नहीं टिक पाएंगे।

1951 में अमेरिकी संविधान में 22वें संशोधन के बाद कोई भी व्यक्ति दो बार राष्ट्रपति रह सकता है। ट्रंप आखिरी टर्म में वो कर गुजरना चाहते हैं जो इतिहास बने। वहीं उनके व्यापारी मित्र अपने व्यापारिक हितों में लिपटे दिखते हैं। ट्रंप की मंशा को समझना आसान भी नहीं क्योंकि वो खुद नहीं जानते कि अगले पल क्या कर गुजरेंगे? जिद्दी ट्रंप किसी मौजूदा अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था को नहीं मानते। न यही बताते कि पुराने अमेरिकी प्रशासनों ने ऐसे देशों को क्यों ऊंची दर से शुल्क लगाने दिया। वो अड़ी में हैं। हाल ही में व्हाइट हाउस में ट्रंप और यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की के बीच प्रेस कांफ्रेन्स के दौरान कैमरों पर जो अप्रिय विवाद दिखा उसकी चहुंओर निंदा हुई। शांति की कीमत के बदले ट्रंप की यूक्रेनी खनिज भंडारों पर कब्जे की मांग यकीनन निंदनीय है। ट्रंप की नीयत ही बदनीयत लगती है। कहीं वो दुनिया को नए ट्रेड वार में धकेल उससे भी कमाने का रास्ता तो नहीं खोज रहे?

सच छुपता नहीं है- समय आने पर सच सामने आ ही जाता है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विदेशी दौरों में उनका भव्य स्वागत होता है। 2014 के बाद से यह क्रम शुरू हुआ था। बड़ी संख्या में भारतीय मूल के लोग वहां पर बुलाये जाते थे। प्रधानमंत्री के स्वागत में तरह-तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित होते थे। भारत के मीडिया में इस तरह की छवि बनाई जाती थी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विदेश में बड़े लोकप्रिय हैं। बड़े पैमाने पर विदेशों में लोग उनका स्वागत कर रहे हैं। 2014 के बाद से विदेशों में जो छबि बनाई जा रही थी। भारतीयों के बीच यह छवि बना दी गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता सारी दुनिया में सबसे ज्यादा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय मूल के लोगों का समर्थन वहां की सत्ता को मिले। इसका सुनयोजित प्रयास भी किया था। 2024 में अमेरिका में हाउडी मोदी का कार्यक्रम इसी योजना का अंग था। ट्रम्प उस समय मोदी से बड़े प्रभावित हुए थे। मोदी के प्रचार करने के बाद भी वह चुनाव ट्रम्प हार गए थे। हाल ही में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने सरकार से पिछले तीन वर्षों में प्रधानमंत्री के विदेशी दोरों पर भारतीय दूतावासों द्वारा किए गए खर्च की जानकारी मांगी गई थी। सरकार ने लिखित जवाब में जानकारी दी है। पिछले तीन वर्षों में प्रधानमंत्री के 38 विदेशी दौरे हुए हैं। इनमें 258 करोड रुपए खर्च किए गए हैं। जून 2023 में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका गए थे। उस समय 22.89 करोड़ रुपए भारत सरकार ने अमेरिकी दूतावास में खर्च किये है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह सबसे महंगा दौरा था। जिसमें अमेरिका स्थित भारतीय दूतावास ने लगभग 23 करोड रुपए खर्च हुए। 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पोलैंड, यूक्रेन, रूस, इटली, ब्राज़ील, गुयाना की यात्रा पर गए थे। पिछले तीन वर्षों में भारतीय दूतावासों ने 258 करोड रुपए खर्च करके एक नया रिकॉर्ड बनाया है। यह जानकारी केवल 3 वर्ष की है। 2014 के बाद से भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विदेशों में जो दौरे हो रहे हैं। उसके बारे में हमेशा यह कहा जाता रहा है, स्वागत सत्कार के लिए दूतावासों के जरिए भारतीय मूल के लोगों को एक जगह पर लाया जाता था। वहां पर सांस्कृतिक कार्यक्रम कराए जाते थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत कराया जाता था। मोदी-मोदी के नारे लगवाए जाते थे। प्रधानमंत्री की विदेशों में लोकप्रियता से जोड़कर इसे भारत में प्रचारित किया जाता था। जिस तरह से अब खबरें निकलकर सामने आ रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विदेश दौरे में भारतीय दूतावास द्वारा भारतीय मूल के लोगों को एक जगह पर एकत्रित किया जाता था। उनके कार्यक्रम कराए जाते थे। इसका खर्चा भारतीय दूतावास द्वारा किया जाता था। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा में पिछले तीन वर्ष की जानकारी मांगते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वागत सत्कार लोकप्रियता भारतीय दूतावासों की भूमिका इत्यादि को सामने लाकर सरकार को घेरने का काम किया है। आने वाले समय में यह मामला और भी तूल पकड़ सकता है। पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि भारत के विश्व गुरु के रूप में बनाई गई है। महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी से भी ज्यादा लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बताया गया है। यह भी स्थापित करने की समय-समय पर कोशिश की गई। किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री का विदेश में उस तरह का स्वागत सत्कार नहीं हुआ, जिस तरह का स्वागत सत्कार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हुआ है। जो जानकारी राज्यसभा के माध्यम से निकलकर सामने आई है। आगे चलकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार के लिए परेशानी खड़ी हो सकती है। बहरहाल यही कहा जा सकता है, सच कभी छुपता नहीं है। कितना भी छुपाने की कोशिश की जाए समय आने पर सच सामने आ ही जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेशी लोकप्रियता को लेकर जो सच अभी तक छुपा हुआ था, वह सच अब सामने आना शुरू हो गया है।

जल संकट के समाधान के लिये ग्लेशियर संरक्षण जरूरी

दुनिया के सामने स्वच्छ जल की समस्या गंभीर से गंभीरतर होती जा रही है। जल प्रदूषण एवं पीने के स्वच्छ जल की निरन्तर घटती मात्रा को लेकर बड़े खतरे खड़े हैं। धरती पर जीवन के लिये जल सबसे जरूरी वस्तु है, जल है तो जीवन है। जल ही किसी भी प्रकार के जीवन और उसके अस्तित्व को संभव बनाता है। जल के महत्व एवं उसकी बढ़ती समस्याओं के समाधान की दिशाएं उद्घाटित करने के लिये ही प्रतिवर्ष विश्व जल दिवस 22 मार्च को मनाया जाता है। यह कोरा एक वार्षिक उत्सवभर नहीं है, बल्कि आन्दोलन है, जिसका उद्देश्य मीठे पानी के महत्व को उजागर करना और जल संसाधनों के सतत प्रबंधन का समर्थन करना है। 1993 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा स्थापित यह दिवस वैश्विक जल चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाता है, जिसमें स्वच्छ पेयजल तक पहुँच, स्वच्छता और पानी की कमी शामिल है। इस वर्ष की जल दिवस की थीम है ग्लेशियर संरक्षण, जो जलवायु परिवर्तन के विनाशकारी प्रभावों से दुनिया के जमे हुए जल संसाधनों की रक्षा करने की आवश्यकता पर जोर देती है। ग्लेशियरों का पिघलना तेज हो रहा है, जिससे जल चक्र बाधित हो रहा है और अरबों लोगों के लिए जीवन के अस्तित्व से जुड़े जल की सुरक्षा को खतरा है। विश्व जल दिवस संयुक्त राष्ट्र की एक पहल है जिसका उद्देश्य मीठे पानी के महत्व को उजागर करना और जल संसाधनों के सतत प्रबंधन का समर्थन करना है। 1993 में स्थापित, यह वैश्विक जल मुद्दों को संबोधित करने की महत्वपूर्ण आवश्यकता की याद दिलाता है, खासकर जब दुनिया भर में 2.2 बिलियन लोगों के पास सुरक्षित रूप से प्रबंधित पेयजल तक पहुंच नहीं है। आज जलवायु परिवर्तन के कारण ग्लेशियर पहले से कहीं अधिक तेजी से पिघल रहे हैं। अरबों लोगों के लिए पिघले पानी का प्रवाह बदल रहा है, जिससे बाढ़, सूखा, भूस्खलन और समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है। अनगिनत समुदाय और पारिस्थितिकी तंत्र विनाश के खतरे में हैं। कार्बन उत्सर्जन में वैश्विक कटौती तथा सिकुड़ते ग्लेशियरों के अनुकूलन के लिए स्थानीय रणनीतियां आवश्यक हैं। इस वर्ष के विश्व जल दिवस अभियान का उद्देश्य जलवायु परिवर्तन और वैश्विक जल संकट से निपटने के लिए कार्ययोजना के केंद्र में ग्लेशियर संरक्षण को रखने के लिए मिलकर काम करना है।

दुनिया की आबादी आठ अरब से अधिक हो चुकी है। इसमें से लगभग आधे लोगों को साल में कम से कम एक महीने पानी की भारी कमी का सामना करना पड़ता है। जलवायु परिवर्तन के कारण 2000 से बाढ़ की घटनाओं में 134 प्रतिशत वृद्धि हुई है और सूखे की अवधि में 29 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। पैकेट और बोतल बन्द पानी आज विकास के प्रतीकचिह्न बनते जा रहे हैं और अपने संसाधनों के प्रति हमारी लापरवाही अपनी मूलभूत आवश्यकता को बाजारवाद के हवाले कर देने की राह आसान कर रही है। विशेषज्ञों ने जल को उन प्रमुख संसाधनों में शामिल किया है, जिन्हें भविष्य में प्रबंधित करना सबसे चुनौतीपूर्ण कार्य होगा। सदियों से निर्मल जल का स्त्रोत बनी रहीं नदियाँ प्रदूषित हो रही हैं, जल संचयन तंत्र बिगड़ रहा है, और भू-जल स्तर लगातार घट रहा है। धरती पर सुरक्षित और पीने के पानी के बहुत कम प्रतिशत के आंकलन के द्वारा जल संरक्षण या जल बचाओ अभियान हम सभी के लिये बहुत जरूरी हो चुका है। औद्योगिक कचरे की वजह से रोजाना पानी के बड़े स्त्रोत प्रदूषित हो रहे हैं। जल को बचाने में अधिक कार्यक्षमता लाने के लिये सभी औद्योगिक

बिल्डिंगें, अपार्टमेंट्स, स्कूल, अस्पतालों आदि में बिल्डरों के द्वारा उचित जल प्रबंधन व्यवस्था को बढ़ावा देना चाहिये। पीने के पानी या साधारण पानी की कमी के द्वारा होने वाली संभावित समस्या के बारे में आम लोगों को जानने के लिये जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाना चाहिये। जल जीव मंडल में पारिस्थितिकी संतुलन को बनाये रखता है। पीने, नहाने, ऊर्जा उत्पादन, फसलों की सिंचाई, सीवेज के निपटान, उत्पादन प्रक्रिया आदि बहुत उद्देश्यों को पूरा करने के लिये स्वच्छ जल बहुत जरूरी है।

जल जीवन के लिये सर्वाधिक महत्वपूर्ण है, जिन पाँच तत्वों को जीवन का आधार माना गया है, उनमें से एक तत्व जल है। जल के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। मानव एवं जीव-जन्तुओं के अलावा जल कृषि के सभी रूपों और अधिकांश औद्योगिक उत्पादन प्रक्रियाओं के लिये भी बेहद आवश्यक है। परंतु आज पूरी दुनिया जल-संकट के साए में खड़ी है। अनियोजित औद्योगीकरण, बढ़ता प्रदूषण, घटते रेगिस्तान एवं ग्लेशियर, नदियों के जलस्तर में गिरावट, पर्यावरण विनाश, प्रकृति के शोषण और इनके दुरुपयोग के प्रति असंवेदनशीलता पूरे विश्व को एक बड़े जल संकट की ओर ले जा रही है। आप सोच सकते हैं कि एक मनुष्य अपने जीवन काल में कितने पानी का उपयोग करता है, किंतु क्या वह इतने पानी को बचाने का प्रयास करता है? पानी धरती पर जीवन के अस्तित्व के लिए आधारभूत आवश्यकता है। आबादी में वृद्धि के साथ पानी की खपत बेतहाशा बढ़ी है, लेकिन पृथ्वी पर साफ पानी की मात्रा कम हो रही है। जलवायु परिवर्तन और धरती के बढ़ते तापमान ने इस समस्या को गंभीर संकट बना दिया है। दुनिया के कई हिस्सों की तरह भारत भी जल संकट का सामना कर रहा है। वैश्विक जनसंख्या का 18 प्रतिशत हिस्सा भारत में निवास करता है, लेकिन चार प्रतिशत जल संसाधन ही हमें उपलब्ध है। भारत में जल-संकट की समस्या से निपटने के लिये प्राचीन समय से जो प्रयत्न किये गये हैं, वे दुनिया के लिये मार्गदर्शक हैं। देश में अटल भूजल योजना चल रही है। स्थानीय समुदायों के नेतृत्व में चलने वाला यह दुनिया का सबसे बड़ा कार्यक्रम है। साथ ही, नल से जल, नदियों की सफाई, अतिक्रमण हटाने जैसे प्रयास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हो रहे हैं। हमारे यहां जल बचाने के मुख्य साधन है नदी, ताल एवं कूप। इन्हें अपनाओं, रक्षा करो, अभय दो, इन्हें मरुस्थल के हवाले न करो। अन्तिम समय यही तुम्हारे जीवन और जीवनी को बचायेंगे। ख्यात पर्यावरणविद अनुपम मिश्र तो 'अब भी खरे है तालाब' कहते कहते स्वर्गस्थ हो गये। आज आवश्यकता इस बात की है कि विश्व जल दिवस की मूल भावना को अपने दैनिक जीवन में उतारकर हर व्यक्ति, हर दिन जल संरक्षण का यथासंभव प्रयास करे। गाँव के स्तर पर लोगों के द्वारा बरसात के पानी को इकट्ठा करने की शुरुआत करनी चाहिये। उचित रख-रखाव के साथ छोटे या बड़े तालाबों को बनाने के द्वारा बरसात के पानी को बचाया जा सकता है। धरती के क्षेत्रफल का लगभग 70 प्रतिशत भाग जल से भरा हुआ है। परंतु, पीने योग्य जल मात्र तीन प्रतिशत है। इसमें से भी मात्र एक प्रतिशत मीठे जल का ही वास्तव में हम उपयोग कर पाते हैं। पानी का इस्तेमाल करते हुए हम पानी की बचत के बारे में जरा भी नहीं सोचते, जिसके परिणामस्वरूप अधिकांश जगहों पर जल संकट की स्थिति पैदा हो चुकी है।

स्टील प्लांट डीजीएम के घर लगी आग, पिता जिंदा जले

एक दिन पहले अस्पताल से डिस्चार्ज हुए, जिस कमरे में सोए, उसी में लगी आग

मीडिया ऑडीटर, कोरबा (एजेंसी)। भिलाई स्टील प्लांट के डीजीएम अनिमेश तिवारी के बंगले में शुक्रवार देर रात अचानक आग लग गई। इसमें उनके पिता उमेश नारायण (92 साल) की सोते समय जिंदा जलने से मौत हो गई। वो एक दिन पहले ही अस्पताल से डिस्चार्ज हुए थे। घटना भिलाई नगर इलाके की है।

दरअसल, अनिमेश ने रात करीब 2 बजकर 25 मिनट पर अग्निशमन विभाग को फोन किया कि, उनके बंगले में आग लग गई है। फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। खुद जिला अग्निशमन अधिकारी नागेंद्र कुमार भी पहुंचे। उन्होंने देखा कि केवल उसी कमरे में आग लगी है, जिसमें बुजुर्ग उमेश नारायण तिवारी सोए हुए थे।

अनिमेश तिवारी, जिनके घर में लगी आग

नौकरानी ने देखकर मचाया शोर: जानकारी के मुताबिक, अनिमेश तिवारी भिलाई स्टील प्लांट में डीजीएम के पद पर पदस्थ हैं। सेक्टर-9 में उनका बंगला है। जहां वो अपनी पत्नी, बेटी और बीमार पिता के साथ रहते हैं। शुक्रवार को अनिमेश और उनकी पत्नी-बेटी पीछे के कमरे में सोए थे। उनके पिता को सामने के कमरे में सुलाया गया था।

अनिमेश तिवारी ने पुलिस को बताया कि, बंगले के पीछे रहने वाली उनकी नौकरानी ने उन्हें बताया कि घर में सामने के कमरे में आग लगी है। पूरा घर धुएं से भर गया था। इसके बाद पुलिस को फोन कर मामले की जानकारी दी गई।

चादर में लपेटकर शव निकाला गया: आग की सूचना पर डायल-112 की टीम ने ग्रिल तोड़कर अनिमेश और उनके परिवार को पीछे के कमरे से बाहर निकाला। जब तक सामने कमरे की आग बुझाई गई, तब तक कमरे के सभी सामान खाक हो गए थे। बुजुर्ग का शव भी जलने से बिस्तर में चिपक गया। दमकल कर्मियों ने शव को एक चादर में लपेटकर बाहर निकाला। सेक्टर-9 हॉस्पिटल पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया।

अग्निशमन विभाग के अधिकारी के मुताबिक, घर में शार्ट सर्किट के संकेत नहीं है, बिजली ट्रिप नहीं हुई है।ष्ट भी बंद था। आगे की जांच कर रही है। अंतिम संस्कार के बाद परिजनों से पूछताछ की जाएगी।

एक दिन पहले ही हॉस्पिटल से घर पहुंचे थे बुजुर्ग पिता: अनिमेश तिवारी के पिता उमेश नारायण तिवारी बुजुर्ग होने के चलते काफी बीमार रहते थे। उनका किसी हॉस्पिटल में इलाज चल रहा था। एक दिन पहले गुरुवार को ही अनिमेश अपने पिता को हॉस्पिटल से डिस्चार्ज कराकर घर लाए थे और रात में यह घटना हो गई। पिता की मौत से पूरा परिवार शोक में डूबा हुआ है।

सड़क-बोर, तालाब बनाने की ठगी

पूर्व जनपद सदस्य और पत्नी ने ग्रामीणों के नाम पर लिया 51.87 लाख लोन, खरीदी कार-बाइक और गहने

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। बिलासपुर में पूर्व जनपद सदस्य और उसकी पत्नी ने गांव में सीसी रोड, नाली और नया तालाब बनाने का झांसा देकर ग्रामीणों से दस्तावेजों में हस्ताक्षर करा लिया। फिर उनके नाम पर बैंक से 51 लाख 87 हजार रुपए का लोन लेकर कार, बाइक और गहने खरीद लिए।

लोगों को धोखाधड़ी का पता तब चला जब उनके पास लोन जमा करने के लिए नोटिस आया। मामले की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी पति-पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है। पूरा मामला सीपत थाना क्षेत्र का है।

दरअसल, पोड़ी गांव निवासी गायत्री सूर्यवंशी (35) ने पुलिस को बताया कि, पोड़ी निवासी प्रमिल दास मानिकपुरी पूर्व जनपद सदस्य है। उसने अपनी पत्नी रंजना मानिकपुरी के साथ मिलकर गांव में विकास कार्य कराने के नाम पर पहले लोगों का भरोसा जीता।

इस दौरान उन्होंने बताया कि, गांव में बोर खनन, नाली निर्माण, सड़क और नए तालाब की खुदाई की जाएगी। जिससे ग्रामीणों की पेयजल और निस्तारी की समस्या दूर हो जाएगी। वहीं, सीसी रोड बनने से कीचड़ से परेशानी नहीं होगी।

झांसा देकर दस्तावेजों में कराया हस्ताक्षर, फिर ले लिया लोन: इस दौरान लोगों का भरोसा जीतकर पति-पत्नी ने मिलकर उनसे दस्तावेजों में हस्ताक्षर करा लिया। तब लोगों को भी यह नहीं पता था कि उन्हें धोखे में रखकर लोन लेने के लिए कागजात में हस्ताक्षर कराया जा रहा है। जिसके बाद पति-पत्नी ने बैंक से 51 लाख 87 हजार रुपए का लोन लिया। जिसके बाद दोनों गायब हो गए।

बैंक से नोटिस मिला, तब लोगों को हुई जानकारी: जब लोन की किश्त की राशि जमा नहीं की गई, तब बैंक ने संबंधित ग्रामीणों को नोटिस जारी किया और लोन जमा करने कहा। जिसके बाद लोगों को इसकी जानकारी हुई। नोटिस मिलने के बाद हैरान और परेशान ग्रामीणों ने कलेक्टर और एसपी से शिकायत की।

पुलिस ने केस दर्ज कर किया गिरफ्तार: इधर, मामला सामने आने के बाद सीपत पुलिस ने दोनों पति-पत्नी के खिलाफ धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। इसके साथ ही उनकी तलाश शुरू कर दी। शुक्रवार को एसीसीयू की टीम ने दोनों पति-पत्नी को सेंदरी बाइपास के पास दबिश देकर गिरफ्तार कर लिया है।

लोन के पैसे से खरीदी कार, बुलेट और गहने: पुलिस ने पूछताछ के बाद उनके पास से कार, बुलेट और गहने बरामद किया है। आरोपियों ने बताया कि लोन के पैसे से उन्होंने कार, बुलेट, आईफोन और गहनों की खरीदी कर ली है। पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार जेल भेज दिया है।

विधवा शिक्षिका से 1.24 लाख घूस मांगने वाला क्लर्क सस्पेंड, बीईओ को भी हटाया

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। बिलासपुर में एक विधवा शिक्षिका से रिश्वत मांगने का मामला सामने आया है। कलेक्टर अवनीश शरण ने इस मामले में कार्रवाई की है। शिक्षा विभाग के क्लर्क को सस्पेंड कर दिया गया है और बीईओ को हटा दिया गया है।

मामला कोटा विकासखंड का है। औंछिनापारा शासकीय प्राथमिक स्कूल की सहायक शिक्षिका नीलम भारद्वाज ने अपने मृत पति के स्वत्व भुगतान के लिए आवेदन किया था। विकासखंड शिक्षा कार्यालय में पदस्थ क्लर्क एकादशी पोर्त ने भुगतान के लिए 1.24 लाख रुपए की रिश्वत मांगी।

शिक्षिका ने कलेक्टर से शिकायत की थी: नीलम भारद्वाज ने 3 मार्च को कलेक्टर जनदर्शन में शिकायत की। कलेक्टर ने तीन सदस्यीय टीम से जांच कराई। 21 मार्च को आई जांच रिपोर्ट में क्लर्क और बीईओ विजय टांडे दोनों दोषी पाए गए। दोनों ने मिलकर डेढ़ महीने तक भुगतान रोक रखा था।

बिलासपुर के कपड़ा दुकान में लगी भीषण आग

शटर तोड़कर बुझाने का प्रयास, 2 घंटे बाद पाया काबू, शार्ट सर्किट से आग लगने की आशंका

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। बिलासपुर में शुक्रवार रात एक कपड़ा दुकान में भीषण आग लग गई, जिससे दुकान के अंदर रखी साड़ियां और कपड़े जलकर खाक हो गए। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद दो फायर बिग्रेड की मदद से आग को काबू में किया गया।

घटना सरकंडा थाना क्षेत्र की है। आसपास के लोगों ने शटर तोड़कर आग बुझाने का प्रयास किया गया। फायर ब्रिगेड के पहुंचने के 2 घंटे बाद आग में काबू पाया गया। बताया जा रहा है शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी होगी। वहीं, करीब 20 लाख रुपए का नुकसान होने का अनुमान है।

दुकान के अंदर से कुछ फटने की आवाज आई: जोरापारा मोड़ पर नंदीश्वरी महादेव मंदिर के सामने प्रिया साड़ी सेंटर की दुकान है। दुकान संचालक श्याम दंडवते और उनके कर्मचारी रात करीब 9 बजे दुकान बंद कर अपने घर चले गए थे। इस दौरान दुकान के बाहर रोज की तरह कुछ लोग बैठे थे।

इस बीच उन्हें अंदर से कुछ फटने की आवाज आई, तब उन्होंने दुकान तरफ पलट कर देखा तब अंदर से धुआं निकल रहा था। देखते ही देखते दुकान के अंदर से धुओं का गुब्बार उठने लगा। उन्होंने घटना की जानकारी आसपास के लोगों को दी।

शटर तोड़कर आग बुझाने की कोशिश: दुकान संचालक श्याम दंडवते को फोन किया। लेकिन, श्याम दंडवते का फोन नहीं लगा, जिसके बाद लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस के साथ ही नगर सेना की दमकल शाखा को दी। कुछ ही देर में पुलिस के साथ ही दमकल भी मौके पर पहुंच गई।

इससे पहले ही लोगों ने आग बुझाने के लिए दुकान का शटर तोड़ने का प्रयास शुरू कर दिया था। किसी तरह शटर का ताला तोड़ा गया। लेकिन, तब तक दुकान के अंदर भीषण आग लग चुकी थी और आग की तेज लपटें उठने लगी थी।

दमकल की मदद से आग को काबू में करने का प्रयास किया गया। लेकिन, साड़ियां और कपड़ों के गट्ठे जल रहे थे। करीब 2 घंटे की मशक्कत के बाद आग को काबू में किया गया।

लोगों की जुटी भीड़, मेन रोड पर लगा जाम: सीपत जाने वाली मेन रोड में दुकान है, जहां धुआं के साथ आग का गुबार उठने देख आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। जिसके चलते वहां जाम की स्थिति बन गई। इस दौरान वाहनों की कतार भी लगी रही। पुलिस ने मौजूद भीड़ को किनारे किया और लोगों की आवाजाही शुरू कराई।

दहशत में आए आसपास के दुकान संचालक: दो मंजिला भवन के बाजू में कपड़ा और मोबाइल दुकान है, जहां तक आग की लपटे पहुंच रही थी। इसे देखकर आसपास के दुकान संचालक दहशत में आ गए। उन्हें डर था कि आग की लपटें उनकी दुकान तक न पहुंचे, ऐसा होता तो बड़ा हादसा हो सकता था। हालांकि, दमकलकर्मियों ने आग को काबू में कर लिया, जिसके बाद लोगों ने राहत की सांस ली।

20 से 25 लाख का नुकसान होने का अनुमान: दुकान संचालक श्याम दंडवते ने बताया कि वो दुकान बंद कर अपने घर चले गए थे। इस दौरान उनके मोबाइल का बैटरी खत्म हो गया था, जिसके कारण फोन नहीं लगा। उन्होंने दो दिन पहले ही साड़ी और कपड़े मंगाए थे। उन्होंने शार्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई है। वहीं, आग से 20 से 25 लाख रुपए का नुकसान होने का अनुमान लगाया है।

बाल गृह से परीक्षा देने गए दो बच्चे लापता

एक नाबालिग का अपहरण और दूसरे के गायब होने का मामला दर्ज, पुलिस जांच में जुटी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले के बालगृह के 9वीं और 11वीं कक्षा के दो छात्र 18 मार्च को संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गए। चार दिन बाद भी अभी तक उनका कोई सुराग नहीं मिला है। ये दोनों छात्र परीक्षा देने के लिए बालगृह के हाउसकीपर के साथ स्कूल गए थे, लेकिन परीक्षा खत्म होने से पहले ही दोनों छात्र बाहर निकल गए और फिर उनका कोई सुराग नहीं मिला।

बालगृह ने सिटी कोतवाली में दोनों छात्रों की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। बालगृह प्रशासन और पुलिस उनकी तलाश में जुटी हुई है। बतादें कि बालगृह कोरिया का संचालन किशोर न्याय बोर्ड प्रावधानों के तहत किया जा रहा है। बालगृह प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार, लापता छात्रों में पटना, बाजारपारा निवासी 11वीं कक्षा का छात्र गोलू कोरी (18 वर्ष) और जिला सूरजपुर के ग्राम करवां का रहने वाला 9वीं कक्षा का छात्र अंश कुमार साहू (15 वर्ष) शामिल हैं। 18 मार्च को दोनों छात्रों की परीक्षा हाई स्कूल बैकुंठपुर में दोपहर 1 बजे से 4 बजे तक थी। बालगृह के कर्मचारी चंचल शेखर ने उन्हें परीक्षा दिलाने के लिए स्कूल छोड़ा था और परीक्षा समाप्त होने के बाद वापस लाने की जिम्मेदारी भी उनकी थी। लेकिन जब वह उन्हें लेने पहुंचे, तो दोनों छात्र वहां मौजूद नहीं थे।

परीक्षा देकर समय से पहले स्कूल निकले दोनों छात्र: स्कूल के शिक्षकों से पूछताछ करने पर पता चला कि दोनों छात्र परीक्षा समाप्त होने से पहले, करीब 3 से 3:30 बजे के बीच स्कूल से बाहर निकल गए थे। इसके बाद बालगृह के कर्मचारियों ने उन्हें ढूंढने की कोशिश की। छात्रों को बैकुंठपुर बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन जाकर तलाश किया गया, लेकिन वहां उनका कोई सुराग नहीं मिला।

इसके बाद उनके परिजनों से संपर्क किया गया, लेकिन उन्होंने भी कोई जानकारी होने से इनकार कर दिया। सूरजपुर जिले में भी उनकी तलाश की गई, लेकिन वहां भी वे नहीं पहुंचे थे। इसके बाद बालगृह के कर्मी शिव कुमार ने सिटी कोतवाली में दोनों छात्रों की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। स्कूल और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं, और संभावित ठिकानों पर पूछताछ जारी है। बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन पर भी पुलिस निगरानी बढ़ा रही है, ताकि छात्रों का कोई सुराग मिल सके।

सीसीटीवी फुटेज की जांच और परिजनों से पूछताछ: बैकुंठपुर थाना प्रभारी विपिन लकड़ा ने बताया कि बाल गृह से दो बच्चे परीक्षा देने गए थे, लेकिन परीक्षा के बाद उनकी कोई खबर नहीं मिली।

बेटी की शादी का कार्ड बांट रहे चाचा-भतीजे की मौत, पिता खुद कार्ड बांटने निकले थे, लौटते समय ट्रक ने रौंदा

मीडिया ऑडीटर, बलरामपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार चाचा-भतीजे को टक्कर मार दी। जिससे दोनों की मौत हो गई। दोनों शादी कार्ड बांटने निकले थे। इसी दौरान हादसा हो गया। जिससे शादी की खुशियां मातम में बदल गई। घटना विजयनगर पुलिस चौकी क्षेत्र के रामानुजगंज-वाड्रफनगर मुख्यमार्ग की है।

जानकारी के मुताबिक, जनकपुर निवासी रामाशंकर पोया (45) की बेटी की शादी होने वाली थी। रमाशंकर पोया शुक्रवार को अपने भतीजे लखपति पोया (40) के साथ बाइक में शादी कार्ड बांटने के लिए निकले थे। उनकी बाइक विजयनगर पुलिस चौकी क्षेत्र के महावीरगंज के पास पहुंची, जहां तेज रफ्तार ट्रक ने दोनों को टक्कर मार दी।

हादसे में दोनों की मौके पर मौत: ट्रक की टक्कर से बाइक सवार लखपति पोया और रामाशंकर पोया दोनों उछलकर सड़क पर गिर गए। जिससे दोनों की मौके पर मौत हो गई। बाइक चला रहे लखपति पोया ने हेलमेट भी पहन रखा था, लेकिन उसकी जान नहीं बच सकी। घटना के बाद ट्रक ड्राइवर वाहन लेकर भाग निकला। घटना की सूचना पर विजयनगर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए रामानुजगंज भेजा।

मातम में बदली शादी की खुशियां: हादसे से शादी की खुशियां मातम में बदल गई हैं। दोनों के शवों का पोस्टमॉर्टम कर परिजनों को सौंपा गया। शनिवार को गमगीन माहौल में दोनों के शवों का अंतिम संस्कार किया गया। विजयनगर चौकी प्रभारी अश्वनी सिंह ने बताया कि, मामले में पुलिस ने अज्ञात ट्रक के चालक के खिलाफ केस दर्ज किया गयाहै। ट्रक की तलाश की जा रही है।

पीसीपीएनडीटी, नर्सिंग होम व एमटीपी एक्ट में हुए अनियमितता की जॉच की मांग

जिले के पूर्व डीपीएम ने शर्मा अस्पताल पर लगाये हैं कई गंभीर आरोप

मीडिया ऑडीटर, बैकुंठपुर (निप्र)। कोरिया जिले के स्वास्थ्य विभाग में इन दिनो एक दूसरे को बचाने का खेल चल रहा है। देखने में आ रहा है कि लगातार कई मामलो में जॉच कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा जाच दल का गठन कर दिया जाता है किन्तु जाच दल द्वारा महिनो महिना बीतने के बाद भी जाच की फाइल दबाकर कर बैठने के कारण किसी भी शिकायत का निराकरण नही हो पा रहा है। आवेदक डॉ.प्रिंस जायसवाल, निवासी बैकुंठपुर के द्वारा स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत पीसीपीएनडीटी एक्ट, नर्सिंग होम एक्ट, एमटीपी एक्ट का लगातार उल्लंघन तथा केन्द्र एवं राज्य सरकार के महत्वाकांक्षी योजना में किये गये भ्रष्टाचार के विरुद्ध जांच कराकर अपराधिक प्रकरण दर्ज कराने मांग किया है। उनके द्वारा संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएं छत्तीसगढ़ से किये शिकायत पर कोरिया जिले के मुख्य

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा 31/12/24 को डॉ. श्रेष्ठ मिश्रा, खण्ड चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सोनहत व संगीता सिंह, सहायक ग्रेड 03 स्थानीय कार्यालय को जाच का जिम्मा दिया था। परन्तु जाच अधिकारियो के द्वारा जाच के नाम पर मामले को लटकाया जाता है।

इनकी हुई थी शिकायत: शिकायतकर्ता द्वारा डॉ. राकेश कुमार शर्मा, संचालक शर्मा हॉस्पिटल, बैकुंठपुर, के द्वारा स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत गर्भधारण पूर्व और प्रसवपूर्व निदान तकनीक लिंग चयन प्रतिषेध अधिनियम, 1994 पी.सी.पी.एन.डी.टी. एक्ट का लगातार उल्लघंन करने के विरूद्ध जांच कराकर अपराधिक प्रकरण दर्ज कराने के संबंध में। कोरिया जिले के डीपीएम रह चुके डॉ. जायसवाल के द्वारा कहा गया है कि पी.सी.पी.एन.डी.टी. एक्ट 1996 नियम 3 (3) (1) के नियमानुसार डॉ. राकेश कुमार शर्मा गभर्वती महिलाओं की सोनोग्राफी हेतु आवश्यक योग्यता नहीं रखते। अतः सोनोग्राफी का कार्य केवल डॉ. रजनी शर्मा (डीजीओ) द्वारा किये जाने का शपथ पत्र लिया जाये। उक्त आदेश के परिपालन में हॉस्पिटल को भविष्य में एक्ट संबंधित किसी भी प्रकार का उल्लघंन किसी भी दशा में नहीं किये जाने एवं मशीन सीलमुक्त की कार्यवाही की जाने का आदेश पारित किया गया है। उन्होने कहा कि संस्था के संचालक के द्वारा 01 वर्षो भीत्तर दो बार गर्भधारण पूर्व और प्रसवपूर्व निदान तकनीक लिंग चयन प्रतिषेध अधिनियम, 1994 पी.सी.पी.एन.डी.टी. एक्ट का उल्लंघन किया गया है एवं वर्तमान में भी लगातार एक्ट के प्रावधानों का उल्लंघन किया जा रहा है।

खाली मकान के सेप्टिक टैंक में मिली 8 बोरी शराब

चुनाव में इस्तेमाल के लिए छिपाई गई थी शराब, मालिक की सूचना पर हुई कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, बलौदाबाजार (एजेंसी)। बलौदाबाजार जिले में शराब माफियाओं ने अवैध शराब छिपाने के लिए एक अनोखा तरीका अपनाया है। उन्होंने एक निर्माणाधीन मकान के सैप्टिक टैंक को शराब के गुप्त ठिकाने में बदल दिया। पुलिस ने छापेमारी कर 8 बोरियों में भरी 1100 शीशियां (करीब 22 पेटी) अवैध शराब जब्त की है। जब्त की गई शराब की कीमत 1 लाख 10 हजार रुपए है। यह मामला बिनौरी गांव के बाहर, मुख्य मार्ग पर स्थित एक खेत में बने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्मित मकान का है। इस घर के मालिक दुर्गेश ध्रुव हैं।

दुर्गेश ध्रुव ने बताया कि वे पिछले 15 सालों से काम के सिलसिले में गांव से बाहर रहते हैं। हाल ही में वे चुनाव में वोट डालने गांव आए थे। आज सुबह जब वे खेत में लकड़ी ले जाने पहुंचे, तो उनकी नजर घर के पास बने सैप्टिक टैंक पर पड़ी। उन्होंने देखा कि टैंक का दरवाजा गायब था। जब उन्होंने करीब जाकर देखा तो पाया कि टैंक के बाहर जुट की बोरियों में शराब की शीशियां भरी हुई थीं।

8 बोरियों में 1100 शीशियां अवैध शराब जब्त: इसके बाद दुर्गेश ने गांव के सरपंच प्रतिनिधि संत कुमार साहू को इसकी सूचना दी। सरपंच प्रतिनिधि ने तुरंत पलारी पुलिस को जानकारी दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और सैप्टिक टैंक के अंदर से 8 बोरियों में भरी 1100 शीशियां अवैध शराब बरामद की। पुलिस ने शराब को जब्त कर लिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, यह शराब मध्य प्रदेश की प्लेन शराब है, जिसे अवैध तरीके से बेचा जा रहा था। घर के मालिक दुर्गेश ने बताया कि उनका घर का सेप्टिक निर्माणाधीन है और वहां कोई नहीं रहता। ऐसे में अज्ञात लोगों ने इस सैप्टिक टैंक का इस्तेमाल अवैध शराब छिपाने के लिए किया।

चुनाव में वोटरों को लुभाने लाई गई थी शराब: स्थानीय ग्रामीणों का मानना है कि यह शराब चुनाव के दौरान वोटरों को लुभाने के लिए लाई गई थी। ग्रामीणों का कहना है कि शराब माफियाओं ने पहले भी चुनावों में शराब का इस्तेमाल किया है, लेकिन इस बार वे इसे ठिकाने लगाने में असफल रहे। इसलिए उन्होंने इसे सैप्टिक टैंक में छिपा दिया।

वहीं पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर दी की है और संदिग्धों की तलाश जारी है। ग्रामीणों द्वारा शराब माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

शिक्षाकर्मी घोटाले के आरोपी अफसर को राहत नहीं

27 साल पहले भर्ती में भ्रष्टाचार, हाईकोर्ट ने खारिज की याचिका, तत्कालीन जनपद सीईओ पर एसीबी ने तय किया आरोप

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। सरगुजा जिले के वाड्रफनगर जनपद पंचायत के तत्कालीन सीईओ और वर्तमान में बिलासपुर में पदस्थ आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त सीएल जायसवाल की मुश्किलें बढ़ गई है। हाईकोर्ट ने उनकी याचिका को खारिज कर दी है। एसीबी कोर्ट ने भ्रष्टाचार के केस में उनके खिलाफ आरोप तय किया है, जिसे उन्होंने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। मामले की सुनवाई जस्टिस रवींद्र कुमार अग्रवाल की सिंगल बेंच में हुई।

दरअसल, आदिवासी विकास विभाग में पदस्थ सहायक आयुक्त सीएल जायसवाल साल 1996 में वाड्रफनगर में जनपद पंचायत सीईओ थे। इस दौरान साल 1998 में राज्य सरकार ने शिक्षाकर्मी ग्रेड-3 के रिक्त पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू की थी। आरोप है कि जायसवाल समेत अन्य ने अपने चहेते उम्मीदवारों को बिना किसी योग्यता के लाभ देकर नियुक्त करने के लिए अनियमितताएं कीं। उनका अवैधानिक तरीके से चयन किया गया। नियमों को दरकिनार कर रिश्तेदारों का भी नियुक्ति दे दी गई। शिकायत मिलने पर सरगुजा के तत्कालीन कलेक्टर ने जांच के लिए चार सदस्यीय समिति बनाई। जांच में अनियमितताएं मिली। जिसके बाद एसीबी/ईओडब्ल्यू बिलासपुर ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

एसीबी कोर्ट ने तय किया है आरोप: शिक्षाकर्मी ग्रेड-3 की भर्ती में हुए घोटाले के आरोपी सीएल जायसवाल के खिलाफ विशेष न्यायाधीश (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम) बलरामपुर ने 27 जून 2018 को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 13(2) और आईपीसी की धारा 120-बी के तहत आरोप तय किया है। आरोपी ने इस आदेश को चुनौती देते हुए आपराधिक पुनरीक्षण याचिका दायर की थी।

बचाव में यह तर्क दिए, कोर्ट ने नहीं माना: आरोपी के वकील ने हाईकोर्ट में याचिका पर सुनवाई के दौरान तर्क दिया कि उसे झूठा फंसाया गया है। वह चयन प्रक्रिया रोकने का आदेश दे चुका था और बाद में उसका तबादला हो गया था। उसने किसी भी अभ्यर्थी का चयन नहीं किया। जबकि राज्य सरकार की तरफ से कहा गया कि आरोपी चयन समिति का पदेन अध्यक्ष था। उसने रिश्वत लेकर अभ्यर्थियों का चयन किया और दस्तावेजों में हेरफेर की। गवाहों के बयान में यह स्पष्ट हुआ कि आरोपी ने साक्षात्कार में अंक देने में हेरफेर किया। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने उनकी तर्कों को नहीं माना। हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट को मामले की सुनवाई जारी रखने का निर्देश दिया है। साथ ही पूर्व में दी गई किसी भी तरह की अंतरित राहत भी हटाने का आदेश दिया है।

इस तरह की गई थी अनियमितता: जांच में पाया गया कि आरोपी और चयन समिति के 9 सदस्यों ने निष्पक्ष चयन प्रक्रिया का पालन नहीं किया। इंटरव्यू के अंक मनमाने तरीके से दिए गए। ओबीसी और एससी वर्ग की सूची में हेराफेरी गई। कई अभ्यर्थियों को ज्यादा नंबर देकर चयनित किया गया, जबकि योग्य उम्मीदवारों को बाहर कर दिया गया।

रिश्वतखोरी के गंभीर आरोप लगे, आरोप तय करने लगे 27 साल: जायसवाल समेत अन्य पर आरोप लगाया गया कि रिश्वत लेकर अभ्यर्थियों का चयन किया। गवाहों के बयान में सामने आया कि रिश्वत न देने पर कुछ अभ्यर्थियों को बाहर कर दिया गया। जांच में चयन प्रक्रिया में भ्रष्टाचार के स्पष्ट प्रमाण मिले। एसीबी ने लंबी जांच प्रक्रिया के कोर्ट में चार्जशीट पेश किया। जिसके बाद कोर्ट ने ट्रॉयल के बाद भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 13(2) और आईपीसी की धारा 120-बी के तहत आरोप तय किया है।

बेलगावी में बस कंडक्टर से मारपीट मामला

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के बेलगावी में 21 फरवरी को मराठी में बात नहीं करने पर कर्नाटक रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (चक्रझ्ष्ट) के बस कंडक्टर को लोगों ने पीट दिया था। जिसके बाद कन्नड़ और मराठी भाषी लोगों के बीच लगातार विवाद चल रहा है। इस घटना के विरोध में आज (22 मार्च) कर्नाटक बंद बुलाया गया है। ये बंद कन्नड़ चलावली वातल पक्ष के फाउंडर और पूर्व विधायक वातल नागराज और कई कन्नड़ संगठनों ने संयुक्त रूप से बुलाया है। बंद सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक रहेगा। कन्नड़ चलावली वातल पक्ष ने दावा किया है कि इस दौरान ऑटो, टैक्सी और निजी बस सेवाएं बंद रहेगी। हालांकि राज्य परिवहन की बसें सामान्य रूप से चलेंगी। आवश्यक सेवाएं जैसे अस्पताल, दवा दुकानें, एंबुलेंस, पेट्रोल पंप और मेट्रो सेवाएं भी जारी रहेगी।

पिता ने 3 साल के बेटे का गला काटा, मौत

पुणे (एजेंसी)। पुणे में पिता ने अपने साढ़े तीन के बेटे का गला रेत दिया। सका शव जंगल में फेंक दिया। बाद में एक लॉज में नशे की हालत में मिला। पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार किया है। बच्चे का शव चंदन नगर इलाके के जंगल से बरामद किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी का नाम माधव टिकेती (38) है। उसे शक था कि उसकी पत्नी स्वरूपा का किसी से अवैध संबंध है। मूल रूप से आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम के रहने वाले माधव का 20 मार्च को पत्नी से झगड़ा हुआ था। वो छोटे बेटे हिम्मत को साथ लेकर घर से निकल गया था। पुलिस के मुताबिक माधव बेटे को पहले बार में पहुंचा। इसके बाद दोपहर करीब 12.30 बजे वहां निकला। वहां से वह एक सुपरमार्केट गया और बाद में चंदन नगर के पास के जंगल में गया, वहां बेटे का गला रेत कर हत्या कर दी। जब कई घंटे तक स्वरूपा का पति से कॉन्टैक्ट नहीं हो सका तो उसने चंदन नगर पुलिस थाने में पति और बेटे के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई ।

यूपी में भाजपा नेता ने 3 बच्चों की हत्या की

सहारनपुर (एजेंसी)। यूपी के सहारनपुर में भाजपा नेता ने पत्नी और 3 बच्चों को गोली मार दी। इसके बाद उसने खुद पुलिस को फोन कर कहा- मैंने अपनी पत्नी-बच्चों को गोली मार दी है। इस वारदात में भाजपा नेता योगेश रोहिला की 11 साल की बेटी श्रद्धा, दो बेटों शिवांश उर्फ शिवा (4) और देवांश (6) की मौत हो गई। पत्नी नेहा (31) की हालत गंभीर है। उसका मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। ग्रामीणों ने आरोपी योगेश रोहिला को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। वारदात गंगोह कस्बे की है। पुलिस के मुताबिक, युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष योगेश रोहिला ने शनिवार दोपहर 2 से 3 बजे के बीच अपनी लाइसेंसी पिस्टल से वारदात को अंजाम दिया। ताबड़तोड़ गोलियों की आवाज सुनकर पड़ोसी दौड़कर उसके घर पहुंचे। वहां पत्नी और तीनों बच्चे खून से लथपथ पड़े थे। पास में ही भाजपा नेता खड़ा था। उसने भागने की कोशिश की, तो भीड़ ने दौड़ाकर पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर दी। अभी तक की पुलिस जांच में सामने आया है कि भाजपा नेता ने पत्नी के अवैध संबंधों के शक में यह हत्याकांड किया है।

सम्राट विक्रमादित्य के जीवन और शासन व्यवस्था से जन-जन को अवगत कराना है विक्रमोत्सव का उद्देश्य-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी भारतीय ज्ञान परम्परा से विरासत से विकास'' के ध्येय को देश में साकार कर रहे हैं। भगवान श्रीराम के बाद सम्राट विक्रमादित्य का शासन ही सुशासन की मिसाल स्थापित करता है। प्रदेश सहित देश के विभिन्न भागों में विक्रमोत्सव अंतर्गत हो रहे कार्यक्रम सम्राट विक्रमादित्य के जीवन के विभिन्न पहलुओं और उनकी शासन व्यवस्था से जन-जन को प्रेरित कराने का एक अभूतपूर्व प्रयास है। आगामी 12-13 और 14 अप्रैल 2025 को नई दिल्ली में सम्राट विक्रमादित्य पर केन्द्रित भव्य आयोजन होने जा रहा है। इसमें राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री श्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह को आमंत्रित किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विक्रमोत्सव के संबंध में नई दिल्ली में मीडिया के लिए जारी संदेश में ये विचार व्यक्त किए।

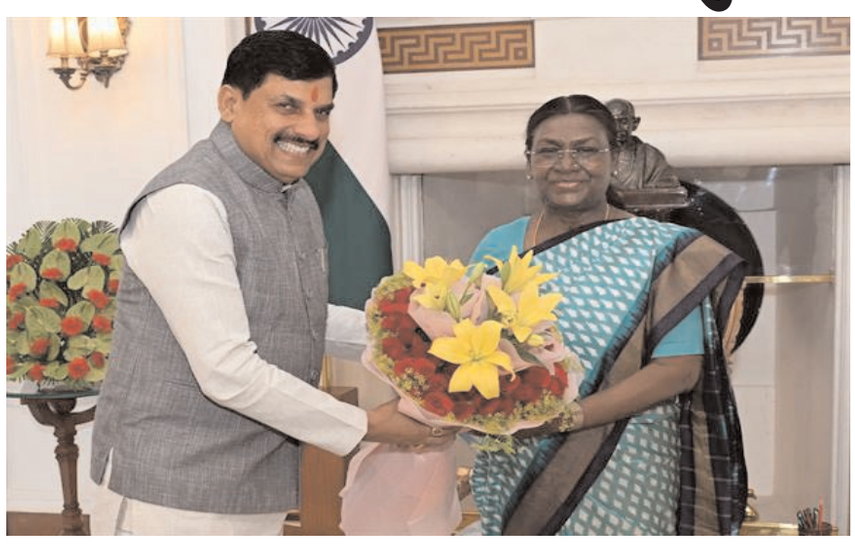

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि न्यायप्रियता, ज्ञानशीलता, धैर्य, पराक्रम, पुरूषार्थ, वीरता और गंभीरता जैसी विशेषताओं के लिए सम्राट विक्रमादित्य का संपूर्ण भारत के साथ ही विश्व में आदर के साथ स्मरण किया जाता है। सम्राट विक्रमादित्य द्वारा विदेशी आक्रांताओं को पराजित कर 2082 वर्ष पहले विक्रम संवत का प्रवर्तन किया गया था। उन्होंने सुशासन के सभी सूत्रों को स्थापित करते हुए अपने सुयोग्य 32 मंत्रियों का चयन किया, इसीलिए उनके सिंहासन को ॐसिंहासन बत्तीसी'' कहा जाता है। सम्राट विक्रमादित्य ने गणराज्य की स्थापना कर लोकतांत्रिक व्यवस्था का क्रियान्वयन आरंभ किया। साथ ही जनता के लिए जवाबदेह नवरत्नों का मंत्री-मंडल गठित कर ऐसी व्यवस्था की जिसमें राजा नहीं बल्कि नौ मंत्रियों द्वारा लिए गए निर्णयों का शासन द्वारा क्रियान्वयन किया जाता था।

नागपुर हिंसा में घायल एक शख्स की मौत

मुंबई (एजेंसी)। औरंगजेब की कब्र हटाने को लेकर विश्व हिंदू परिषद के प्रदर्शन के बाद 17 मार्च को नागपुर में हिंसा हुई थी। घटना के पांचवें दिन शनिवार को ष्टरू देवेंद्र फडणवीस ने नागपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा- हिंसा में हुए नुकसान की भरपाई दंगाइयों की संपत्ति बेचकर वसूली जाएगी। जरूरत पड़ी तो बुलडोजर भी चलाया जाएगा। उन्होंने कहा- पीड़ितों को जल्द ही नुकसान की भरपाई की जाएगी। जिन्होंने पुलिस पर हमला किया, उनके खिलाफ कठोर से कठोर धाराएं लगाई जाएंगी। उन्होंने विपक्ष के आरोप पर

कहा कि हिंसा इंटेलिजेंस फेल्योर या राजनीतिक साजिश नहीं थी। लेडी कॉन्स्टेबल के साथ छेड़छाड़ की खबर सच नहीं है। उन पर पत्थर जरूर फेंके गए थे। फडणवीस ने बताया कि यह कहना जल्दबाजी होगी कि हिंसा में कोई विदेशी या बांग्लादेशी एंगल था। हालांकि इसकी जांच की जा रही है। कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल नागपुर दौरे पर आया था, उसमें एक सदस्य अकोला हिंसा में आरोपी है। उन्होंने बताया कि हिंसा के कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नागपुर दौरा प्रभावित नहीं होगा। हिंसा के पांचवें दिन एक शख्स की मौत नागपुर हिंसा में घायल 40 साल के इरफान अंसारी की शनिवार दोपहर 1ः20 बजे इलाज के दौरान मौत हो गई। वह 17 मार्च से इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज में भर्ती था। वेल्डर अंसारी सोमवार रात करीब 11 बजे नागपुर रेलवे स्टेशन से इटारसी के लिए ट्रेन पकड़ने के लिए घर से निकला था। हिंसा से प्रभावित इलाकों में से एक नागपुर रेलवे स्टेशन भी है।

एक और गिरफ्तारी, जांच क्राइम ब्रांच को इस बीच नागपुर हिंसा के मामले में शुक्रवार देर रात हामिद इंजीनियर को गिरफ्तार किया गया।

बठिंडा में खुली फूड प्रोसेसिंग लैब

बठिंडा (एजेंसी)। बठिंडा में आज केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने फूड प्रोसेसिंग लैब का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने आम आदमी पार्टी की सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाए। बिट्टू ने कहा कि दिल्ली से दो नकारे हुए आप नेता अब पंजाब में आ गए हैं। उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री भगवंत मान को तमिलनाडु भेज दिया गया है। अब प्रशासनिक तंत्र मनीष सिसोदिया और वित्त मंत्रालय के काम सतिंदर जैन संभालेंगे। केंद्रीय मंत्री ने पंजाब में शराब की दुकानों की संख्या पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि हर चौक और मार्केट में फाइव स्टार होटल जैसी शराब की दुकानें सजी हुई हैं। उनका आरोप है कि सरकार आबकारी से कमाई बढ़ाने के लिए लोगों को नशे में रखना चाहती है। किसानों के मुद्दे पर बोलते हुए बिट्टू ने कहा कि उन्होंने कई बार मीटिंग की मांग की, लेकिन नहीं सुनी गई। हालांकि, केंद्रीय मंत्रियों के सामने किसानों की बात रखी गई है। उन्होंने किसानों और मजदूरों से एकजुट होने की अपील की। पटियाला में कर्नल बाठ पर हुए हमले को उन्होंने पंजाब पुलिस की विफलता बताया। बिट्टू ने पंजाब के लोगों से अपील की कि वे दूसरे राज्यों के लोगों या उनके वाहनों को नुकसान न पहुंचाएं। उन्होंने याद दिलाया कि पंजाब के लोग भी अन्य राज्यों में रहते और यात्रा करते हैं।

परिसीमन पर तमिलनाडु समेत 5 राज्यों के सीएम की बैठक

चेन्नई (एजेंसी)। राज्यों में लोकसभा सीटों के परिसीमन को लेकर शनिवार को 5 राज्यों के मुख्यमंत्रियों और डिप्टी सीएम की बैठक चेन्नई में हुई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने चेन्नई में ये मीटिंग बुलाई, जिसमें 5 राज्यों के 14 नेता शामिल हुए। टीएमसी प्रमुख नवीन पटनायक और ञ्जस्ह्ल भी इसमें शामिल हुई। इस दौरान स्टालिन के नेतृत्व में एक जॉइंट एक्शन कमेटी बनाई गई। जिसने परिसीमन पर प्रस्ताव पारित किया कि 1971 की जनगणना जनसंख्या के आधार पर संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों पर

रोक को अगले 25 साल तक बढ़ाया जाए।

साथ ही कहा कि जिन राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रम प्रभावी ढंग से लागू किया है, वहां संवैधानिक संशोधन लागू किए जाएं। निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन पर अगली बैठक हैदराबाद में होगी।

पंजाब में हिंदी बोलने पर बिहार के छात्रों पर हमला

दरभंगा (एजेंसी)। पंजाब की गुरु काशी यूनिवर्सिटी में बिहार के छात्रों के साथ मारपीट हुई है। एक स्टूडेंट्स ने 21 मार्च को एक्स पर वीडियो शेयर कर मदद की गुहार लगाई है। छात्र का नाम अली अंजार है। वो दरभंगा जिले के कमतौल प्रखंड के बहुआरा गांव का रहने वाला है। गुरु काशी यूनिवर्सिटी से अली बीटेक कर रहा है। वीडियो में अली अंजार कह रहा है- %यहां के लोकल छात्र और लोग हम पर हमले कर रहे हैं। तलवार लेकर घुस जाते हैं। सिर फाड़ दिया है कई लोगों का। गार्ड भी नहीं सुनता है। पुलिस और प्रशासन हमारी नहीं सुन रहा है। बिहार के ज्यादातर स्टूडेंट्स से मारपीट हुई है। पूरा दिन हॉस्टल के अंदर रहते हैं। कपड़े और हिंदी भाषा सुनते ही मारने लगते हैं। हमारी यहां कोई सुरक्षा नहीं है। अली अंजार ने ये वीडियो मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को टैग कर सुरक्षा की मांग की है। अली अंजार के भाई मोहम्मद सोहराम ने बताया- %मेरा भाई गुरु काशी यूनिवर्सिटी में पढ़ाई करता है। पता चला है कि वहां उन्हें पीटा जा रहा है। भाई बहुत डरा है। कल से घर में खाना तक नहीं बना है।

हरियाणा में महायज्ञ में आए ब्राह्मणों पर फायरिंग

कुरुक्षेत्र (एजेंसी)। हरियाणा के कुरुक्षेत्र में महायज्ञ में आए ब्राह्मणों पर शनिवार सुबह साढ़े 9 बजे आयोजकों के सुरक्षा गार्डों ने फायरिंग कर दी। जिसमें लखनऊ से आए ब्राह्मण आशीष तिवारी को गोली लग गई। इससे ब्राह्मण भड़क गए। इसके बाद उनकी और आयोजकों के हायर निजी एजेंसी के सुरक्षा गार्डों के बीच मारपीट हुई। इसमें लखीमपुर के रहने वाले प्रिंस शुक्ला भी जख्मी हो गए।

इसके बाद ब्राह्मण भड़क गए। वह यज्ञशाला से बाहर निकले और तोड़फोड़ व पथराव शुरू कर दिया। गुस्साए ब्राह्मणों ने महायज्ञ की

यज्ञशाला का मुख्य द्वार तोड़ दिया। डंडे-पत्थरों से रोड पर लगे बैनर-होर्डिंग भी फाड़ दिए। फिर उन्होंने थीम पार्क के बाहर कुरुक्षेत्र-कैथल रोड पर जाम लगा दिया। वहां से गुजरने वाली गाड़ियों को जबरन रोकना शुरू कर दिया।

बवाल मचने का पता चलते ही कुरुक्षेत्र पुलिस वहां पहुंची। पुलिस ने ब्राह्मणों को शांत करने की कोशिश की। फिलहाल पुलिस ने ब्राह्मणों को सड़क से हटा दिया है। शहर में सिक्योरिटी बढ़ा दी गई है।

हिमाचल में 26 मार्च तक मौसम साफ

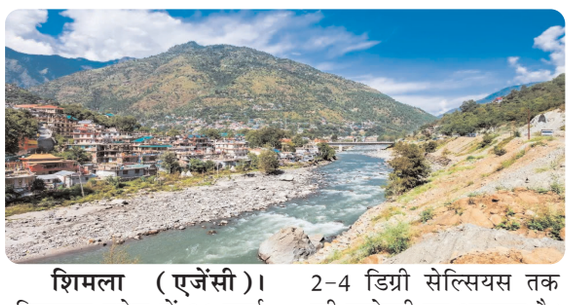

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में 26 मार्च तक प्रदेश भर में अधिकतम स्थानों पर मौसम साफ रहेगा। हालांकि, ढ्ढरूष्ठ का पूर्वानुमान है कि लाहौल-स्पीति, किन्नौर, चंबा, कांगड़ा और कुल्लू के बहुत अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर बहुत हल्की वर्षा या बर्फबारी हो सकती है। बड़ी संख्या में पर्यटक भी बर्फ का आनंद लेने के लिए ऊंचाई वाले क्षेत्रों मे पहुंच रहे हैं। दो सप्ताह तक यहां पहाड़ बर्फ से ढके रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में 2 दिन न्यूनतम तापमान स्थिर रहेगा। इसके बाद अगले 3-4 दिनों में न्यूनतम तापमान में 3-4 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होगी। अधिकतम तापमान में भी 2-4 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी का अनुमान है। तापमान में उछाल आने के बाद प्रदेश में गर्मी बढ़ जाएगी। दूसरी तरफ, पिछले सप्ताह हुई बर्फबारी के बाद पर्यटन स्थलों पर रौनक लौट आई है। मैदानी इलाकों से बड़ी संख्या में पर्यटक कुल्लू और लाहौल स्पीति के विभिन्न स्थलों पर पहुंच रहे हैं। सोलंग नाला, कोकसर, अटल टनल रोहतांग के दक्षिणी और उत्तरी द्वार तथा हामटा पास पर पर्यटकों की भीड़ देखी जा रही है। वर्तमान में कोकसर, रोहतांग टनल और सोलंग नाला में बर्फ जमी है। यहां पर 15 से 20 दिनों तक बर्फ का आनंद लिया जा सकेगा। पर्यटक इन स्थानों पर बर्फ के बीच मौज-मस्ती कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट के 5 जजों का मणिपुर दौरा

इंफाल (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के पांच जजों जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस एमएम सुंदरेश, जस्टिस केवी विश्वनाथन और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह वाला प्रतिनिधिमंडल शनिवार को मणिपुर पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल ने चुराचांदपर में मणिपुर की जातीय हिंसा के विस्थापितों से मुलाकात की। राहत शिविरों का दौरा भी किया। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल बिष्णुपुर के मोइरांग कॉलेज पहुंचा। चुराचांदपुर में 295 विधिक सेवा शिविर, स्वास्थ्य शिविर और विधिक सहायता क्लिनिक का जस्टिस गवई ने उद्घाटन किया। उन्होंने कहा- हमारे संविधान का उद्देश्य सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय पहुंचाना है।

वहीं, जस्टिस कोटिश्वर सिंह ने कहा- मेरा मानना है एक दिन मणिपुर समृद्ध होगा। हमें अपने संविधान पर भरोसा रखना चाहिए। मणिपुर में एक दिन शांति स्थापित होगी और वह सफल होगा। हमें मिलकर

यहां राहत पहुंचाने का काम करना चाहिए। जस्टिस गवई ने कहा- एक दिन मणिपुर समृद्ध होगा, संविधान पर भरोसा करेगा जस्टिस ने कहा- देश के सभी नागरिकों को तुरंत और सस्ता न्याय (कम से कम खर्च में) उपलब्ध कराना है। हमने देश के उन दूर-दराज भागों तक पहुंचने का प्रयास किया, जो दिल्ली से बहुत दूर हैं। उन्होंने कहा कि ऐरे सिद्धांत बहुत जरूरी है जो किसी न्यायपूर्ण समाज के लिए, सुलभता, न्याय तक पहुंच, स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच बनाए। साथ ही लोगों को सम्मानजनक जीवन जीने के लिए सशक्त बनाते हैं। उन्होंने कहा कि मणिपुर लोगों को बहुत सी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन आपको यह समझना चाहिए कि हमारे संविधान ने हमें एकजुट रखा है। जस्टिस गवई ने कहा- हमारा नैतिक और संवैधानिक जिम्मेदारी है कि विस्थापित लोग हमसे पीछे न छूटें। उनकी आईडेंटिटी, डॉक्यूमेंट्स, संपत्ति का अधिकार या फिर मुआवजे के मामलों में पूरा अधिकार प्राप्त हो। उन्होंने कहा कि मणिपुर राज्य और मणिपुर राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने 265 कानूनी सहायता क्लिनिक स्थापित किए हैं। विस्थापित समुदायों के भीतर स्थापित कानूनी सहायता क्लिनिक मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करेंगे। जस्टिस गवई ने कहा कि मैं सभी विस्थापित व्यक्तियों से इन सेवाओं का लाभ उठाने का आग्रह करता हूं। उन्हें आश्वस्त करता हूं कि हम उनके जीवन के पुनर्निर्माण की दिशा में उनके साथ खड़े हैं।

जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह ने कहा कि हमें आगे देखना चाहिए और भविष्य के बारे में सोचना चाहिए। हमें अतीत, दर्द या त्रासदी में नहीं जीना चाहिए। हमें एक उज्जवल भविष्य की ओर देखना चाहिए। इसमें समय लग सकता है, लेकिन हमें उम्मीद रखनी चाहिए और सकारात्मक रहना चाहिए।

पानी को लेकर हरियाणा-पंजाब की जल्द होगी मीटिंग

चंडीगढ (एजेंसी)। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने कहा कि हरियाणा को उसके हिस्से का पानी दिलाने के लिए अंतरराज्यीय मुद्दों को हल करने के लिए आने वाले दिनों में संबंधित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक की जाएगी। समस्याओं के हल होने से हरियाणा को उसके हक का पानी मिलेगा। केंद्रीय मंत्री पाटिल जिला पंचकूला के ताऊ देवीलाल स्टेडियम में आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय कार्यक्रम में राष्ट्रव्यापी अभियान जल शक्ति अभियान कैच द रेन-2025 के शुभारंभ के उपरांत संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी और सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रुति चौधरी भी उपस्थित रहे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पहली बार इस कार्यक्रम को दिल्ली से बाहर मनाने के लिए कार्यक्रम के आयोजन के लिए जब हरियाणा के मुख्यमंत्री से पूछा गया तो उन्होंने तुरंत हां कर दी, क्योंकि वे जल का महत्व जानते हैं। जल संरक्षण और जलसंचय के लिए जन-जन में जागृति आए, इसके लिए नायब सिंह सैनी ने अपने राज्य बजट में भी बहुत से कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाई है। पाटिल ने कहा कि हरियाणा प्रगतिशील राज्य है, जो पानी की आपूर्ति के लिए दूसरे राज्यों पर निर्भर है। यहां बारिश भी कम होती है, ऐसे राज्य में आने वाले दिनों में पानी कमी न हो, इसकी चिंता सरकार के साथ-साथ नागरिकों को भी करने की आवश्यकता है। इसलिए जनभागीदारी के साथ-साथ केंद्र और हरियाणा सरकार मिलकर राज्य को पानी की कमी की समस्या से निजात दिलाने के लिए संकल्पबद्ध तरीके से काम करेंगे। यमुनानगर के गांव देवधर व बेगमपुर, जिला कैथल के गांव जुलानी खेडा, जिला भिवानी के गांव पहाड़ी, जिला महेंद्रगढ़ के गांव अकोली एवं गांव मंद्लाना में सौर शक्ति एकीकृत सूक्ष्म सिंचाई परियोजना का उद्घाटन किया गया। साथ ही, फिरोजपुर झिरका के 52 गांवों व 5 ढाणियों में जल वितरण में बढ़ोतरी के लिए रेनीवेल आधारित परियोजनाओं तथा पटौदी विधानसभा क्षेत्र के 24 गांवों व 9 ढाणियों में जल बढ़ोतरी के लिए नहर आधारित परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया।

इस मौके पर स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत पंचकूला में ठोस कचरा प्रबंधन के लिए 9 शेड्स, 103 सोखता गड्ढे तथा 21 सामुदायिक स्वच्छता परिसरों का भी उद्घाटन किया।

हॉकी खिलाड़ियों को किया गया सम्मानित

नई दिल्ली (एजेंसी)। 7वें सलाना पुरस्कार 2024 में भारतीय हॉकी ने 100 साल पूरे होने का जश्न मनाया। हॉकी इंडिया ने 1975 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम के सदस्यों को हॉकी इंडिया मेजर ध्यानचंद लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड के साथ 50 लाख रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया। वहीं, कप्तान हरमनप्रीत सिंह और सविता पुनिया को प्लेयर ऑफ द ईयर का खिताब दिया। बता दें कि, भारतीय हॉकी में 12 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड पुरस्कार राशि रखी गई, जो हॉकी इंडिया वार्षिक पुरस्कार के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी राशि रही। सविता और हरमप्रीत सिंह को क्रमशः महिला और मेंस वर्ग में साल 2024 के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के लिए हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

वहीं इंडिया हॉकी टीम से रिटायरमेंट ले चुके पीआर श्रीजेश को एफआईएच मेंस गोलकीपर ऑफ द ईयर 2024 के रूप में 5 लाख रुपये की इनाम राशि से सम्मानित किया। दीपिका को बिहार महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2024, राजगीर में सबसे ज्यादा गोल स्कोरर और टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के लिए 1 लाख रुपये का पुरस्कार दिया गया।

ओलंपिक में फिर से शामिल होगा बॉक्सिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। साल 2028 लॉस एंजिलिस में होने वाले ओलंपिक खेलों से मुक्केबाजों के लिए अच्छी खबर है। दरअसल, 2028 लॉस एंजिलिस खेलों में मुक्केबाजी को शामिल किया जाएगा क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति के कार्यकारी बोर्ड ने मंगलवार से शुरू हो रहे 144वें सत्र से पहले इसे मंजूरी दे दी। आईओसी ने पिछले महीने वर्ल्ड मुक्केबाजी को अस्थायी मान्यता दे दी थी जिससे अंतर्राष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ को दरकिनार करके नयी नियामक ईकाई को अधिकार सौंपे। वहीं आईओसी के 18 से 21 मार्च तक चलने वाले सत्र में थॉमस बाक की जगह नए अध्यक्ष का भी चुनाव किया जाएगा। इसके साथ ही लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 में मुक्केबाजी को शामिल करने के कार्यकारी बोर्ड के फैसले को मंजूरी भी मिलेगी।

बाक ने कार्यकारी बोर्ड की बैठक के बाद कहा कि, फरवरी में वर्ल्ड मुक्केबाजी को अस्थायी मान्यता मिलने के बाद हम ये फैसला लेने की स्थिति में थे। सत्र में इसे मंजूरी के लिए रखा जाएगा और मुझे यकीन है कि इसे मंजूरी मिल जाएगी। इसके बाद दुनिया भर के मुक्केबाज लॉस एंजिलिस ओलंपिक खेल सकेंगे अगर उनके राष्ट्रीय महासंघ को वर्ल्ड मुक्केबाजी से मान्यात मिली हुई है। वहीं आईओसी के देखरेख में टोक्यो ओलंपिक 2020 और पेरिस ओलंपिक 2024 की मुक्केबाजी इवेंट में हुई थी। लंबे समय से चले आ रहे संचालन संबंधी मसलों और मुकाबलों की निष्पक्षता पर सवाल उठने के बाद 2023 में आईबीए की मान्यता रद्द कर दी गई थी।

सनराइजर्स हैदराबाद जीतेगी अपना दूसरा खिताब?

नई दिल्ली (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद (स्क्रा।) हैदराबाद, तेलंगाना, भारत में स्थित एक फ्रेंचाइजी क्रिकेट टीम है, जो इंडियन प्रीमियर लीग (ड्ढक्र) में खेलती है। इसकी स्थापना 2012 में हैदराबाद स्थित डेक्कन चार्जर्स को आईपीएल द्वारा समाप्त करने के बाद की गई थी। टीम की कप्तानी वर्तमान में पैट कमिंस करते हैं और कोच डेनियल विटोरी हैं। उनका प्राथमिक घरेलू मैदान राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, हैदराबाद है, जिसकी क्षमता 55,000 दर्शकों की है।

वहीं एसआरएच टीम ने 2013 में अपना पहला आईपीएल प्रदर्शन किया, जहां वे प्लेऑफ़ में पहुंचे, और अंततः चौथे स्थान पर रहे। सनराइज़र्स ने 2016 के सीज़न में अपना पहला आईपीएल खिताब जीता, फाइनल में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को 8 रन से हराया। टीम ने 2016 से हर सीज़न में टूर्नामेंट के प्ले-ऑफ़ चरण के लिए क्वालीफाई किया है, जिससे उन्हें सभी प्रसिद्ध आरसीबी की तुलना में अधिक जीत मिली है। 2018 में, टीम इंडियन प्रीमियर लीग के फ़ाइनल में पहुंची, लेकिन चेन्नई सुपर किंग्स से हार गई। डेविड वार्नर टीम के लिए सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 2015, 2017 और 2019 में 3 बार ऑरेंज कैप जीती है। सनराइजर्स हैदराबाद ने 2012 में डेक्कन चार्जर्स की जगह ली और 2013 में डेब्यू किया।

डेक्कन क्रॉनिकल के दिवालिया हो जाने के बाद फ्रैंचाइज़ को सन टीवी नेटवर्क ने अपने अधीन कर लिया। 18 दिसंबर 2012 को चेन्नई में टीम की घोषणा की गई। टीम का स्वामित्व सन टीवी नेटवर्क के पास है, जिसने चार्जर्स को लंबे समय तक वित्तीय मुद्दों के कारण समाप्त किए जाने के एक सप्ताह बाद पांच साल के सौदे के लिए प्रति वर्ष ?85.05 करोड़ (स्9.7 मिलियन) की बोली जीती थी। सन टीवी नेटवर्क लिमिटेड, जिसका मुख्यालय चेन्नई में है, 32 टीवी चैनलों और 45 एफएम रेडियो स्टेशनों के साथ भारत के सबसे बड़े टेलीविजन नेटवर्क में से एक है, जो इसे भारत की सबसे बड़ी मीडिया और मनोरंजन कंपनी बनाता है। वहीं सनराइजर्स हैदराबाद की टीम पहली बार 2016 में फाइनल में पहुंची थी। उस समय टीम के कप्तान डेविड वॉर्नर थे। वॉर्नर की कप्तानी में इस सीजन में टीम चैंपियन बनी थी और अब एक बार फिर से इस टीम की कप्तानी फिर से ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी पैट कमिंस के कंधों पर है। वहीं 2016 के बाद से टीम अब तक खिताब के लिए संघर्ष कर रही है।

हालांकि, 2018 और पिछले साल 2024 में टीम फाइनल में पहुंची लेकिन खिताब से चूक गई। 2013 में टीम प्लेऑफ में पहुंची थी, वहीं 2014 में टीम सिर्फ ग्रुप चरण यानी छठे नंबर तक ही पहुंच पाई थी। उसके बाद 2015 में भी टीम छठे नंबर पर रही। साल 2017 में टीम ने फिर से प्लेऑप्स तक पहुंची और 2018 में रनर-अप रही। 2019-20 में भी टीम प्लेऑफ्स तक पहुंची तो 2021- 2022 में टीम 8वें नंबर पर रही। तो 2023 में टीम 10वें नंबर पर रही। साथ ही कोरोना वायरस महामारी ने सनराइजर्स हैदराबाद के ब्रांड मूल्य को प्रभावित किया जिसका अनुमान 2020 में 57.4 मिलियन अमेरिकी डॉलर था। जो कि अब घटकर 4.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर घटकर रह गया था।

आखिरकार पाकिस्तान को न्यूजीलैंड के खिलाफ मिल ही गई जीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान ने शुक्रवार को न्यूजीलैंड को तीसरे टी20 मैच में 9 विकेट से करारी शिकस्त दी। युवाओं से सजी पाकिस्तान की टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ लगातार दो मैचों में हार झेलनी पड़ी थी। हालांकि, तीसरे मैच में पाकिस्तान ने वापसी की और दमदार जीत हासिल की। न्यूजीलैंड की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.5 ओवर में 204 रन बनाए थे। इसके जवाब में पाकिस्तान की टीम ने 4 ओवर शेष रहते मैच अपने नाम किया। पाकिस्तान ने 16 ओवर में एक विकेट खोकर 207 रन बनाए। हसन नवाज को बेहतरीन शतकीय पारी के लिए प्लेयर ऑफ द

मैच चुना गया।

205 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान के लिए मोहम्मद हारिस और हसन नवाज की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआती करते हुए पहले विकेट के लिए 74 रन जोड़े। छठे ओवर में जेकब डफी ने मोहम्मद हारिस को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। मोहम्मद हारिस 20 गेंदों में चार चौके और तीन छक्के लगाते हुए 41 रनों की पारी खेली। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए कप्तान सलमान ने हसन नवाज के साथ ना केवल पारी को संभाला बल्किन दोनों बल्लेबाजों ने तेजी के साथ रन भी बटोरे। पाकिस्तान ने 6 ओवर में एक विकेट पर 207 रन बनाकर मुकाबला 9 विकेट से जीत लिया। इस दौरान हसन नवाज ने 45 गेंदों में 10 चौके और 7 छक्के लगाते हुए नाबाद 205 रनों की पारी खेली। कप्तान आगा सलमान 31 गेंदों में 6 चौके और 2 छक्के लगाते हुए 51 रन पर नाबाद रहे। न्यूजीलैंड की ओर से जेकब डफी एकमात्र सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने मोहम्मद हारिस को आउट किया।

मोहम्मद सिराज ने हाथ जोड़कर की ये अपील, डेटिंग की खबरों पर तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेटर्स अक्सर अपने लिंकअप और तलाक के कारण सुर्खियों में बने रहते हैं। वहीं क्रिकेट और ग्लैमर का बेहद नजदीक का नाता है। जहां क्रिकेट की बात होती है वहां ग्लैमर अपने आप ही आ जाता है। ऐसा ही कुछ इन दिनों हो रहा है। दरअसल, टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज का नाम एक्ट्रेस माहिरा खान के साथ जोड़ा जा रहा है। दोनों के बीच लिंकअप की अफवाहें जोरों पर हैं। लेकिन अब सिराज ने खुद इन अफवाहों को गलत बताते हुए अपनी प्रतिक्रिया दी है।

सिराज पिछले कुछ हफ्तों से चर्चा में हैं और ऐसी अफवाहें हैं कि वह अभिनेत्री माहिरा शर्मा को डेट कर रहे हैं। मीडिया लगातार दोनों से इस पर सवाल पूछ रही है, लेकिन दोनों ने इन बातों को सिरे से खारिज कर दिया। माहिरा शर्मा ने हाल ही में कहा था कि किसी का कुछ नहीं है और मैं किसी को डेट नहीं कर रही हूं। मीडिया के द्वारा माहिरा से पूछा गया कि उनकी पसंदीदा आईपीएल टीम कौ है और वो किसको सपोर्ट कर रही हैं साथ ही उनके सामने गुजरात टाइटंस का भी जिक्र किया गया।

इन सभी बातों के बीच मोहम्मद सिराज ने भी इस पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर मीडिया से हाथ जोड़कर अनुरोध किया है कि वो इस तरह के सवाल ना पूछें और सारी बातें निराधार हैं। उन्होंने लिखा कि मैं पैपराजी से अनुरोध करता हूं कि वो मेरे आस-पास सवाल ना पूछें। ये पूरी तरह से झूठ और निराधार है। मुझे उम्मीद है कि ये खत्म हो जाएगा।

फिलहाल, सिराज इस सीजन में गुजरात टाइटंस की तरफ से खेलते हुए दिखेंगे। गुजरात ने उन्हें आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन में 12.25 करोड़ रुपये में खरीदा था। इससे पहले वह आरसीबी का हिस्सा थे, लेकिन इस सीजन के लिए आरसीबी ने उन्हें रिलीज कर दिया था।

मशहूर हैवीवेट बॉक्सर फॉरमैन का निधन, परिवार ने की पुष्टि

वाशिंगटन (एजेंसी)। मशहूर हैवीवेट बॉक्सर जॉर्ज फॉरमैन का निधन हो गया है वह 76 वर्ष के थे, उनके परिवार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी पुष्टि की है। बिग जॉर्ज के नाम से मशहूर फॉरमैन ने 1960 के दशक में बॉक्सिंग में करियर शुरु किया था। उन्होंने ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता और दो बार विश्व हैवीवेट चैंपियन बने।

उनकी पहली हार 1974 में मोहम्मद अली के खिलाफ ऐतिहासिक मुकाबले में हुई थी, जिसे 'द रंबल इन द जंगल' नाम दिया गया था। फॉरमैन के परिवार की ओर से

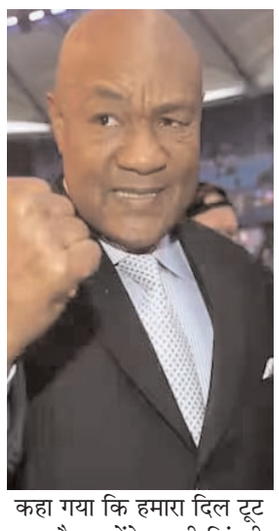

कहा गया कि हमारा दिल टूट गया है। उन्होंने अपनी जिंदगी अटूट विश्वास, विनम्रता और उद्देश्य से भरी हुई जी है।

अनुराग ठाकुर को बड़ी राहत मिली

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर की मुश्किल कम हो गई हैं। दरअसल, भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ने की कोशिश हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट द्वारा निर्वाचन मंडल से उनकी आयोग्यता पर रोक लगाने और बीएफआई को उनकी उम्मीदवारी के लिए नामांकन की तिथि बढ़ाने का निर्देश देने के बाद फिर से पटरी पर आ गई है। हिमाचल प्रदेश की हमीरपुर लोकसभा सीट से सांसद अनुराग ठाकुर को बीएफआई अध्यक्ष अजय सिंह के 7 मार्च के आदेश में अयोग्य घोषित किया गया था। इससे पहले दिल्ली हाई कोर्ट ने बुधवार 19 मार्च 2025 को दिल्ली एमेच्योर मुक्केबाजी संघ की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए बीएफआई के 7 मार्च के निर्देश पर रोक लगा दी थी। अजय सिंह के हस्ताक्षर वाले निर्देश के अनुसार, बीएफआई की मान्यता प्राप्त इकाइयों के केवल प्रामाणिक और विधिवत निर्वाचित सदस्य ही 28 मार्च को गुरुग्राम में होने वाले आगामी चुनावों में अपने अपने राज्यों का प्रतिनिधित्व करने के लिए अधिकृत हैं। केवल निर्वाचित सदस्य ही चुनावी प्रक्रिया का हिस्सा बनने के योग्य हैं। अनुराग ठाकुर चुनाव में हिमाचल प्रदेश मुक्केबाजी संघ का प्रतिनिधित्व करना चाह रहे थे, लेकिन उन्हें निर्वाचित सदस्य नहीं माना गया। हालांकि, न्यायमूर्ति अजय मोहन गोयल ने गुरुवार 20 मार्च 2025 को फैसला सुनाया कि निर्वाचन अधिकारी आरके गाबा द्वारा 13 मार्च को अनुमोदित निर्वाचन मंडल प्रथमदृष्टता गलत है और कानूनन टिकने वाला नहीं है। निर्वाचन मंडल में अनुराग ठाकुर को शामिल नहीं किया गया था। आदेश में कहा गया है कि इस पृष्ठभूमि में सुविधा का संतुलन भी याचिकाकर्ताओं के पक्ष में है। अगर अंतरिम राहत, जैसा कि याचिकाकर्ताओं ने मांग की है कि प्रदान नहीं की जाती है तो उन्हें अपूरणीय क्षति होगी। ये न्यायालय अंतरिम उपाय के रूप में दिनांक 07.03.2025 के नोटिस के क्रियान्वयन और 2 मनोनीक सदस्यों में से एक अर्थात अनुराग सिंह ठाकुर के नामांकन को अस्वीकार करने के निर्देश पर रोक लगाता है।

ओलंपिक में मेडल जीत साइना नेहवाल ने लहराया देश में परचम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में रुढ़िवादी सोच की वजह से हर साल न जाने कितनी ही बेटियों को दुनिया में आने से पहले मार दिया जाता है। भले ही भारत में बेटियों को शक्ति का रूप माना जाता है, लेकिन हमारे समाज की मानसिकता है कि बेटा घर के वंश को आगे बढ़ाएगा। लेकिन बेटियों ने यह कई बार साबित किया है कि अगर उनको मौका मिले तो वह चांद पर भी परचम लहरा सकती हैं। ऐसी ही कुछ कहानी भारत की चैंपियन बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल की है। जब साइना नेहवाल का जन्म हुआ था, तो उनकी दादी ने एक महीने तक उनका चेहरा नहीं देखा था। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर साइना नेहवाल के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में... हरियाणा के हिसार जिले में साइना नेहवाल का जन्म हुआ था। साइना की दादी को बेटा चाहिए था, जोकि उनके

वंश को आगे बढ़ा सके। लेकिन जब साइना का जन्म हुआ तो उनकी दादी ने एक महीने तक उनका चेहरा नहीं देखा था। लेकिन साइना की मां उषा नेहवाल ने हमेशा अपनी बेटी का साथ दिया। दरअसल, साइना की मां भी बैडमिंटन प्लेयर थीं और राज्य स्तर पर बैडमिंटन खेली थीं। शुरूआत में साइना कराटे में अपना करियर बनाना चाहती थीं। लेकिन बाद में वह अपनी मां के नक्शे कदम पर चलते हुए 8 साल की उम्र में बैडमिंटन की रैकेट पकड़ ली। शुरूआत में साइना नेहवाल ने हिसार में बैडमिंटन की ट्रेनिंग ली और फिर उन्होंने हैदराबाद के लाल बहादुर स्टेडियम में ट्रेनिंग लेने से शुरू की थी। कोच नानी प्रसाद की देखरेख में वह बहुत कम समय में सफलता पाने लगी। साल 2009 में साइना ने इंडोनेशिया ओपन सुपर सीरीज बैडमिंटन टूर्नामेंट का खिताब जीतकर बड़ी उपलब्धि हासिल की। बता दें कि यह खिताब पाने वाली साइना नेहवाल पहली भारतीय महिला खिलाड़ी थीं।

साल 2012 में लंदन ओलंपिक में भी साइना नेहवाल ने महिला के सिंगल्स इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर सनसनी मचा दी थी। इस ओलंपिक में वह मेडल जीतने वाली भारत की पहली महिला बैडमिंटन खिलाड़ी भी बनीं। उनके सामने बड़ी से बड़ी खिलाड़ी भी नहीं ठहर पाती थीं। उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत के लिए गोल्ड जीता। वह कॉमनवेल्थ गेम्स में दो गोल्ड मेडल जीतने वाली इकलौती भारतीय महिला खिलाड़ी हैं। साल 2018 में साइना नेहवाल ने मिक्स्ड प्रतियोगिता में सोने का तमगा हासिल किया था।

खिताब का इंतजार करती दिल्ली कैपिटल्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स दिल्ली में स्थित एक पेशेवर फ्रैंचाइज़ी क्रिकेट टीम है जो इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलती है। फ्रैंचाइज़ी का स्वामित्व संयुक्त रूप से जीएमआर ग्रुप और जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के पास है। टीम का घरेलू मैदान नई दिल्ली में स्थित अरुण जेटली स्टेडियम (पूर्व में फिरोज शाह कोटला) है। टीम की कप्तानी अक्षर पटेल करते हैं और कोच हेमंग बदानी हैं। कैपिटल्स ने अपना पहला आईपीएल फाइनल 2020 में मुंबई इंडियंस के खिलाफ पूर्व कप्तान श्रेयस अय्यर के नेतृत्व में खेला था। आईपीएल भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा आयोजित एक क्रिकेट लीग है और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा समर्थित है। उद्घाटन टूर्नामेंट अप्रैल-जून 2008 में आयोजित किया गया था, जिसमें बीसीसीआई ने टूर्नामेंट में भाग लेने वाली आठ टीमों की सूची को अंतिम रूप दिया था। टीमों ने दिल्ली सहित भारत के आठ अलग-अलग शहरों का

प्रतिनिधित्व किया। टीमों को 20 फरवरी 2008 को मुंबई में नीलामी के लिए रखा गया था, और दिल्ली की टीम को संपत्ति विकास कंपनी जीएमआर ग्रुप ने 84 मिलियन अमेरिकी डॉलर में खरीदा था। दिसंबर 2018 में, टीम ने अपना नाम दिल्ली डेयरडेविल्स से बदलकर दिल्ली कैपिटल कर लिया। टीम का नाम बदलने के पीछे के तर्क के बारे में बोलते हुए, सह-मालिक और अध्यक्ष पार्थ जिंदल ने कहा, दिल्ली देश का शक्ति केंद्र है, यह राजधानी है, इसलिए इसका नाम दिल्ली कैपिटल है। सह-मालिक किरण कुमार ग्रांधी ने कहा, नया नाम दिल्ली की पहचान का प्रतीक है और शहर की तरह ही, हम आगे बढ़ने वाली सभी कार्रवाई का केंद्र बनने का लक्ष्य बना रहे हैं। आईपीएल के पहले ही सीजन में दिल्ली कैपिटल्स (उस समय दिल्ली डेयरडेविल्स) अंक तालिका में चौथे स्थान पर रही। इससे उन्हें टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने में मदद मिली, जहां वे अंतिम विजेता राजस्थान रॉयल्स से हार गए। वहीं गौतम गंभीर ने 534 रन उस सीजन में दिल्ली के लिए किसी बल्लेबाज द्वारा बनाए गए सबसे ज्यादा रन थे।

वहीं 2009 में भी दिल्ली एक बार फिर 2008 की तरह फाइनल में डेक्कन चार्जर्स से हार गई। आईपीएल 2010 में दिल्ली कैपिटल्स ने 14 मैचों में 14 अंक लेकर एक और शानदार प्रदर्शन किया। वीरेंद्र सहवाग और उनकी टीम ने सात गेम जीते और सात हारे और सीएसके, आरसीबी और केकेआर के साथ अंकों के मामले में बराबरी पर थी, जिनके 14-14 अंक थे। दिल्ली लगातार तीसरी बार सेमीफाइनल में हार गई। वहीं 2011 में भी टीम का खिताब जीतने का सपना एक बार फिर टूटा। दिल्ली कैपिटल्स 2020 में मुंबई इंडियंस से हारकर अपना पहला फाइनल खेला। टीम के कप्तान ऋषभ पंत हैं और उनका स्वामित्व जीएमआर ग्रुप और जेएसडब्ल्यू ग्रुप के पास है। मौजूदा सीजन आईपीएल 2025 में टीम की कमान अक्षर पटेल के हाथों में होगी।

इंस्टाग्राम पर पत्नी और सास ने देखा लाइव सुसाइड

इंस्ट्राग्राम पर लाइव आकर पति ने लगाई फांसी, 44 मिनट तक देखती रहीं पत्नी और सास पर किसी को नहीं बताया

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के सिरमौर तहसील के डोल पंचायत में शिव प्रकाश त्रिपाठी नाम के एक व्यक्ति ने इंस्टाग्राम पर लाइव आकर फांसी लगा ली। उसकी पत्नी प्रिया शर्मा ने 44 मिनट तक यह लाइव देखा, लेकिन किसी को जानकारी तक नहीं दी। पुलिस ने पत्नी और उसकी मां को गिरफ्तार किया है। जांच में पत्नी के अवैध संबंधों की बात भी सामने आई है। शिव प्रकाश त्रिपाठी की शादी दो साल पहले प्रिया शर्मा से हुई थी। शादी के शुरुआती दिन में तो अच्छे रहे, लेकिन कुछ महीनों बाद प्रिया किसी और से छिप-छिपकर बातें करने लगी थी। यह बात शिव प्रकाश को पता चली, लेकिन उसने किसी को नहीं बताया और अपनी शादी बचाने की कोशिश करता रहा।

इसी बीच शिव प्रकाश का एक्सीडेंट हो गया और वह बैसाखियों के सहारे चलने लगा। इस दौरान प्रिया अपने नवजात बच्चे को लेकर मायके चली गई। शिव प्रकाश उसे मनाने के लिए कई बार ससुराल गया, लेकिन प्रिया ने उसके साथ मारपीट की और ससुराल आने से इनकार कर दिया। घटना वाले दिन शिव प्रकाश अपनी पत्नी को समझाने के लिए ससुराल गया था। लेकिन वहां भी उसकी बेइज्जती और मारपीट हुई। इसके बाद वह अपने घर लौट आया और बिना किसी से बात किए कमरे में चला गया। कुछ देर बाद उसने इंस्टाग्राम लाइव शुरू किया और फांसी लगा ली। पत्नी प्रिया ने 44 मिनट तक यह सब देखा, लेकिन किसी को नहीं बताया। जब परिवार के लोगों को यह पता चला तो घटना का वीडियो देखकर सब हैरान रह गए।

पत्नी के अवैध संबंधों के सुराग भी मिले

एसडीओपी उमेश प्रजापति ने बताया कि पुलिस जांच में पत्नी के अवैध संबंधों के सुराग भी मिले हैं। सुसाइड के पीछे पत्नी की बेवफाई और घरेलू कलह को मुख्य कारण माना जा रहा है। पुलिस ने प्रिया और उसकी मां को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। अब पुलिस यह भी जांच कर रही है कि क्या इस आत्महत्या में किसी और का भी हाथ है। पुलिस ने शिव प्रकाश का फोन और सोशल मीडिया अकाउंट कब्जे में ले लिया है, जिससे और भी सबूत जुटाए जा रहे हैं।

निलंबन के विरोध में बिजली कंपनी के कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले जिले में बिजली कंपनी के पश्चिम संभाग कार्यालय में आज तकनीकी कर्मचारी संघ और विंध्य आउटसोर्स कर्मचारी संघ द्वारा सामूहिक रूप से धरना प्रदर्शन किया गया। इस दौरान मुख्य अभियंता पर गंभीर आरोप लगाए गए। कर्मचारियों ने बताया कि कुछ दिन पूर्व कार्यालय के कंप्यूटर कक्ष में चोरी की घटना हुई थी। जहां से सिर्फ उन दो कंप्यूटरों को चोरी किया गया, जिसमें कार्यालय की महत्वपूर्ण जानकारियां थी, जबकि दर्जनभर से ज़्यादा कंप्यूटर वहां रखे थे। उन्हें अज्ञात चोरों द्वारा छुआ तक नहीं गया। जिससे ये चोरी की घटना संदेह के दायरे में है। इस पूरे मामले में मुख्य अभियंता द्वारा कार्यालय के चार कर्मचारियों को निलंबित कर कार्रवाई की गई। धरने पर बैठे कर्मचारियों ने कहा ये पूणतः ग़लत कार्रवाई की गई है। क्योंकि विभाग द्वारा आज तक चोरी की रिपोर्ट या सूचना तक थाने में दर्ज नहीं कराई गई। जबकि कर्मचारियों को दोषी ठहराते हुए उन पर कारवाई की गई।

धरने पर बैठे कर्मचारियों ने कहा कि पूर्व में मुख्य अभियंता से चर्चा हुई थी, जिस दौरान उन्होंने कहा था कि कर्मचारियों को बहाल कर दिया जाएगा। लेकिन अब तक कर्मचारियों को बहाल नहीं किया गया और कार्यालय में किसी भी प्रकार के प्रोटोकॉल का भी पालन नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर जल्द ही कर्मचारियों की बहाली नहीं की जाएगी तो संघ द्वारा उग्र आंदोलन किया जाएगा।

बीजेपी कार्यालय के सामने युवती को मारे थप्पड़, बाल पकड़कर घसीटा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। एक युवती से अभद्रता का वीडियो सामने आया है। इसमें एक युवक, युवती को लगातार थप्पड़ मार रहा है। उसके बाल घसीट रहा है। वह कह रहा है- तूने गाली कैसे दी, चल थाने। आसपास खड़े लोग भी उसकी मदद नहीं कर रहे हैं।

घटना का वीडियो शुक्रवार देर रात सामने आया। मामला शहर के ढेकहा स्थित बीजेपी कार्यालय के पास बनी चौपाटी का बताया जा रहा है। घटना कब की है, इसका खुलासा नहीं हुआ है और न ही युवक-युवती का पता चल सका है।

रीवा एसपी विवेक सिंह के निर्देश पर सिविल लाइन थाना पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। सिविल लाइन थाना प्रभारी टीआई कमलेश साहू ने बताया कि वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने खुद संज्ञान लिया है। वीडियो में नजर आ रहे युवक-युवती का पता लगाया जा रहा है। जल्द ही युवक पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। महिला कांग्रेस की प्रदेश उपाध्यक्ष कविता पांडेय ने कहा- रीवा में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार बढ़ते ही जा रहे हैं। कुछ महीने पहले हमने गैंगरेप की घटना देखी थी, अब यह घटना भी देख रहे हैं। महिलाओं को सड़क पर निकलने में भी डर लगने लगा है।

चाहे घरेलू हिंसा हो, सड़क पर छेड़छाड़ हो या इस तरह की बर्बरता वाली घटनाएं महिलाओं में डर पैदा कर रही हैं। आज अपराधियों को कानून व्यवस्था का कोई डर नहीं रह गया है। प्रशासन को तुरंत एक्शन लेकर आरोपी को कड़ी सजा दिलानी चाहिए। वहीं, अधिवक्ता बीके माला ने कहा- यह घटना सिर्फ एक युवती पर हमला नहीं है, बल्कि सुरक्षा व्यवस्था पर भी करारा तमाचा है। क्या पुलिस प्रशासन अब तक आरोपी को गिरफ्तार कर पाया? अगर नहीं तो क्यों नहीं और अगर कर लिया तो आरोपी की जानकारी सार्वजनिक की जाए।

आदतन अपराधी ने अवैध पिस्टल के साथ फैलाई दहशत, पुलिस ने किया गिरफ्तार का भेजा जेल

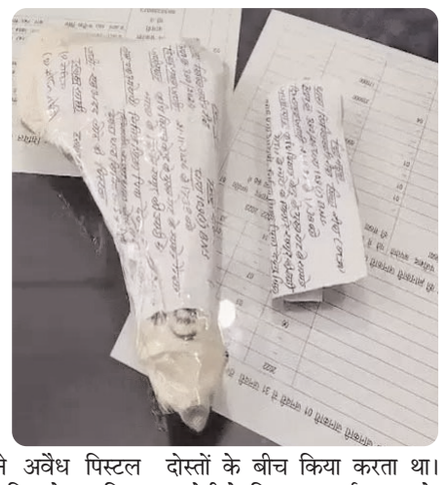

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में कमर पर पिस्टल रखकर दहशत फैलाने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बताया गया कि युवक किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने जा रहा था। युवक आदतन अपराधी है। जिसके खिलाफ पहले से कई मामले पंजीबद्ध हैं।

आरोपी को बिछिया थाने की पुलिस ने जिला चिकित्सालय के पास से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक का नाम सुजाल गुप्ता है। जिसके खिलाफ पुलिस ने 25/27 आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही की है। एडिशनल एसपी अनिल सोनकर ने बताया कि शनिवार की दोपहर कमर में पिस्टल रखकर आरोपी युवक बाइक से धोबिया टंकी की ओर जा रहा था। दहशत फैलाने की कोशिश में था। जिसकी सूचना मुखबिर द्वारा पुलिस को दी गई।

मुखबिर की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। जहां उसकी तलाशी ली गई। तलाशी लेने के दौरान पुलिस ने अवैध पिस्टल बरामद कर ली। पुलिस के मुताबिक युवक ने यह अवैध हथियार अपने दोस्तों पर रौब झाड़ने के लिए खरीदा था। जिसकी नुमाइश वह अपने दोस्तों के बीच किया करता था। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की जा रही है। उसके पास हथियार कहां से आया, इसका भी पता लगाया जा रहा है।

हनुमना पुलिस ने अवैध नशीली कफ सिरप की पकड़ी खेप

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मऊगंज जिले की हनुमना पुलिस ने अवैध नशीली कफ सिरप के विरुद्ध बड़ी कारवाई करते हुए 12 पेटियों में लाखों रुपए की 14 सौ 10 शीशी नशीली कफ सिरप और कार को ज़ब्त करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। प्रभारी पुलिस महानिरीक्षक रीवा जोन साकेत प्रकाश पांडे, एसपी मऊगंज दिलीप कुमार सोनी के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मऊगंज विक्रम सिंह और एसडी ओपी अंकिता सुलिया के मार्गदर्शन पर थाना प्रभारी हनुमना अनिल काकड़े के नेतृत्व में हनुमना पुलिस टीम ने एक बार फिर उत्तर प्रदेश से अवैध नशीली कफ सिरप की तस्करी कर रहे तस्करों को दबोचा है। हनुमना पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक सफेद रंग की बिना नंबर की क्रेटा कार से अवैध नशीली कफ सिरप की बड़ी खेप उत्तर प्रदेश की तरफ से हनुमना की तरफ आने वाली है, सूचना पर थाना प्रभारी द्वारा तत्काल कारवाई करने के लिए टीम गठित की गई और रवाना हुए। इस दौरान डीपी होटल के पास घेराबंदी कर नशीली कफ सिरफ के साथ कार को ज़ब्त करते हुए तीन आरोपियों को पकड़ लिया।

बघेली महोत्सव का आयोजन आज

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में बघेल खंड की लोककला और लोकजीवन को संरक्षित करने के लिए बघेली महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। जिसके तहत 23 मार्च को बघेली महोत्सव का पांचवा सोपान होने जा रहा है। इस कार्यक्रम में कई विधाएं होंगी। जिसमें बघेली व्यंजन प्रतियोगिता, सामूहिक लोकगीत प्रतियोगिता, कहानी प्रतियोगिता और कुछ लोकनृत्य की प्रस्तुति होगी। कार्यक्रम के अगले चरण, सम्मान समारोह में उन पाँच विभूतियों का सम्मान होगा जिन्होंने अलग-अलग क्षेत्र में अपने कार्यों से अमूल्य योगदान दिया है। साथ ही कलाकारों द्वारा लोकगीत की प्रस्तुति व हास्य नाटक की प्रस्तुति होगी। जिसमें दुलदुल घोड़ी नृत्य और बघेलखंड में विशेष रूप से किया जाने वाला काली नृत्य की प्रस्तुति होगी। कार्यक्रम का समापन पुरस्कार वितरण से होगा। कार्यक्रम के आयोजक रीति सरगम पांडे और उमेश मिश्रा लखन ने जानकारी देते हुए बताया कि ये कार्यक्रम शिवाय फाउंडेशन और तीन पाँच फ़िल्म द्वारा आयोजित किया जा रहा है। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले कलाकारों से कोई भी शुल्क नहीं लिया जाता है।

सिरमौर में अतिक्रमण हटाने के बाद अधिवक्ताओं ने एसडीएम कार्यालय के सामने किया धरना प्रदर्शन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। ज़िले के नगर परिषद सिरमौर में घनश्याम बड़गैया की दुकान को एस डीएम आर के सिन्हा के निर्देशन पर सिरमौर पुलिस और प्रशासन की मौजूदगी में हटा दिया गया। कार्यवाही के दौरान एसडी ओपी उमेश प्रजापति, थाना प्रभारी जेपी पटेल और सिरमौर पुलिस के साथ ही रीवा का भी पुलिस बल बड़ी संख्या में मौजूद रहा। साथ ही तहसीलदार बिंदु तिवारी, आरआई, पटवारी, नायब तहसीलदार

सहित सी एमओ मौके पर मौजूद रहे। अतिक्रमण हटाने के दौरान विरोध कर रहे घनश्याम बड़गैया और उनके लड़कों को बतौर सुरक्षा पुलिस थाने ले गई। जब इस घटना की जानकारी अधिवक्ताओं को हुई तो तत्काल अधिवक्ता संघ अध्यक्ष गोविंद तिवारी के नेतृत्व में एस डीएम कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन किया गया और कहा गया कि हम लोगों को अतिक्रमण गिराने का आदेश दिखाया जाए। जिस पर

एस डीएम कार्यालय में एस डीएम आर के सिन्हा व अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने संपूर्ण जानकारी देते हुए समझाइश दी। लेकिन अधिवक्तागण संतुष्ट नज़र नहीं आए।

युवा संगम कार्यक्रम 25 को, 40 कंपनियों द्वारा किया जाएगा युवाओं का चयन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिला मुख्यालय स्थित टीआरएस कॉलेज में युवा संगम का आयोजन 25 मार्च को प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक किया जायेगा। युवा संगम कार्यक्रम के तहत आयोजित मेगा जॉब फेयर में जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने मेगा जॉब फेयर के सफल आयोजन के लिए विभिन्न विभागीय अधिकारियों को दायित्व सौंपे हैं। इस संबंध में उप संचालक रोजगार अनिल दुबे ने बताया कि रोजगार मेले में 40 कंपनियों एवं नियोजकों द्वारा युवाओं का चयन किया जाएगा। मेले में शामिल होने के लिए विभिन्न कंपनियों हेतु युवक एवं युवतियों की आयु सीमा 18 से 45 वर्ष के बीच निर्धारित की गई है। आयु सीमा विभिन्न कंपनियों में अलग-अलग होगी। वेतन एवं भत्ते 9 हजार रुपए से 40 हजार रुपए तक निर्धारित किया गया है। युवाओ को अपने साथ मूल अंकसूची तथा निवास प्रमाण पत्र की छायाप्रति, आधार कार्ड या वोटर आईडी, समग्र आईडी, रोजगार कार्यालय का जीवित पंजीयन एवं नवीनतम दो पासपोर्ट साइज के फोटो लेकर आना अनिवार्य होगा। युवा संगम आयोजन की सुचारू व्यवस्थाओ के लिये कलेक्टर ने पुलिस अधीक्षक को सुरक्षा व्यवस्था, आयुक्त नगर निगम को आयोजन स्थल में साफ-सफाई, शौचालय एवं फायर ब्रिगेड की व्यवस्था का दायित्व सीईओ जिला पंचायत को समन्वयक एवं नोडल अधिकारी का दायित्व तथा एमपीआईडीसी के कार्यकारी निदेशक को नियोजको को आमंत्रित करने, महाप्रबंधक उद्योग को स्वरोजगार संबंधित आवेदकों को हितलाभ वितरित करने तथा आईटीआई के प्राचार्य को छात्रों की उपस्थिति सुनिश्चित कराने का दायित्व सौंपा गया है।

विश्व जल दिवस पर हुआ जल संवाद कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। विश्व जल दिवस पर जन अभियान परिषद रीवा द्वारा रीवा विकासखण्ड के ग्राम छिजवार तथा दादर में जल संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सम्भागीय समन्वयक प्रवीण पाठक ने कहा कि पानी जीवन का आधार है पानी का संरक्षण और संवर्धन नहीं हुआ तो पृथ्वी के सभी जीवों और वनस्पतियों का अस्तित्व बचाना मुश्किल होगा। हमें अपनी आगामी पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए आज पानी बचाना होगा। हमे पानी बचाने के परंपरागत व आधुनिक दोनो तरीको का उपयोग करते हुए समाज को साथ लेकर आगे बढ़ना होगा। ऐसे व्यक्ति जो प्रकृति संरक्षण की दिशा में कार्य कर रहे है, उन्हें सम्मानित करना होगा। संभागीय समन्वयक ने कहा कि गांव का विकास तभी होगा जब हर खेत और हर तालाब में पानी रहेगा। गांव की अर्थ व्यवस्था का आधार खेती है और खेती का आधार पानी है। जहां पर्याप्त सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो गयी है वहां खेत सोना उगल रहे हैं। पानी का जीवन में कितना महत्व है यह हमें अच्छी प्यास लगने पर ही अहसास होता है। संवाद कार्यक्रम को विकासखंड समन्वयक अमित अवस्थी व नवांकुर संस्था सर्वोदय विंध्य विकास समिति के सचिव बृजेश सिंह व दीपा शिशु शिक्षा समिति के अध्यक्ष दयानंद तिवारी, जन कल्याण देशभक्ति सेवा मंडल के अध्यक्ष मुनेंद्र सिंह व सचिव विशाल सिंह, बृजभूषण तिवारी, अरुण पांडे ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण व समाजसेवी उपस्थित रहे।

संभागीय अधिकारियों का ई-आफिस का प्रशिक्षण 24 तथा 25 मार्च को

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शासन के निर्देशों के अनुसार कार्यालय के सामान्य काज एवं फाइलों के निराकरण के लिए ई-आफिस ऑनलाइन व्यवस्था लागू की जा रही है। इससे जुड़े सभी अधिकारियों, कर्मचारियों के ईमेल आईडी बनाकर सॉफ्टवेयर में दर्ज किये जा रहे हैं। ई-आफिस प्रणाली का संभागीय अधिकारियों को प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। इस संबंध में कमिश्नर बीएस जामोद ने कहा है कि प्रशिक्षण ई दक्ष केन्द्र शिल्पी प्लाजा बी-ब्लाक रीवा में 24 और 25 मार्च को आयोजित किया जा रहा है।

प्रशिक्षण तीन पलियों में दिया जायेगा। प्रशिक्षण के लिए जिला सूचना विज्ञान अधिकारी मनीष पटेल को नोडल अधिकारी बनाया गया है। कमिश्नर ने बताया कि 24 मार्च को सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक जल संसाधन विभाग, लोक निर्माण विभाग, विद्युत विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय, ग्रामीण यांत्रिकीय विभाग, मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क प्राधिकरण विभाग तथा मध्यप्रदेश सड़क निगम एवं पीआईयू के अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जायेगा। इसी दिन दोपहर 12.30 बजे से दोपहर 2.30 बजे तक आयोजित प्रशिक्षण में सेतु विकास निगम, लोक शिक्षण, महिला एवं बाल विकास विभाग, उद्योग विभाग, पशुपालन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, सामाजिक न्याय विभाग तथा नगरीय प्रशासन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जायेगा। इसी दिन दोपहर 3 बजे से शाम 5.30 बजे तक आयोजित कार्यक्रम में उच्च शिक्षा विभाग, कृषि विभाग, उद्यानिकी, सहकारिता, पेंशन कार्यालय, मछली पालन विभाग, डेयरी विभाग तथा जिला विपणन संघ को प्रशिक्षण दिया जायेगा।

प्रशिक्षण के दूसरे दिन 25 मार्च को सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक मंडी बोर्ड, नागरिक आपूर्ति निगम, खाद विभाग, ट्राईबल, खनिज, आबकारी, हाउसिंग बोर्ड, स्थानीय निधिसम परीक्षा के अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जायेगा। दोपहर 12.30 बजे से दोपहर 2.30 बजे तक कृषि अभियांत्रिकी, श्रम, योजना, सांख्यिकी, मेडिकल कॉलेज, आजीविका मिशन, आयुर्वेद विभाग, जिला पंजीयक तथा नगर एवं ग्राम निवेश विभाग को प्रशिक्षण दिया जायेगा। दोपहर 3 बजे से शाम 5.30 बजे तक लोक निर्माण विभाग विद्युत यांत्रिकी, प्रदूषण मंडल, लीड बैंक, सौर ऊर्जा, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास, राष्ट्रीय सड़क विकास प्राधिकरण, पिछड़ावर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग तथा जेल विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जायेगा।

जल संरक्षण कार्यों के लिए चलेगा जल गंगा संवर्धन अभियान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। प्रदेश के साथ साथ रीवा संभाग के सभी जिलों में 30 मार्च से 30 जून 2025 तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जायेगा। इस संबंध में कमिश्नर बीएस जामोद ने कहा है कि संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर तथा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शासन के निर्देशों के अनुरूप जल गंगा संवर्धन अभियान की तीन माह की कार्यों योजना तैयार कर लें। जिले के जिन क्षेत्रों में भूजल स्तर में तेजी से गिरावट हो रही है तथा गर्मियों में पेयजल का संकट हो सकता है ऐसे क्षेत्रों को कार्य योजना में शामिल करें। ग्रामीण विकास विभाग की मनरेगा योजना तथा अन्य योजना से जल संवर्धन और संरक्षण के कार्य प्राथमिकता से करायें। प्रत्येक ग्राम पंचायत में उपयुक्त स्तर पर कम से कम एक कार्य आवश्यक करायें।

संयुक्त संचालक ने किया आंगनवाड़ी केन्द्र का निरीक्षण

पोषण आहार वितरण की सतत निगरानी के दिये निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। महिला एवं बाल विकास विभाग की संयुक्त संचालक ऊषा सिंह सोलंकी ने गतदिवस मैहर जिले का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान संयुक्त संचालक ने आंगनवाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आंगनवाड़ी केन्द्र में बच्चों की उपस्थिति, कम वजन वाले बच्चों के लिए पूरक पोषण आहार के वितरण तथा गर्भवती एवं धात्री महिलाओं के टेकहोम राशन वितरण की जानकारी ली गयी। संयुक्त संचालक ने आंगनवाड़ी केन्द्र में संधारित पोषण आहार वितरण पंजी तथा अन्य सामग्रियों का निरीक्षण किया। संयुक्त संचालक ने आंगनवाड़ी केन्द्र की साफ-सफाई एवं साज-सज्जा के संबंध में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को निर्देश दिये। इसके बाद परियोजना कार्यालय में आयोजित बैठक में संयुक्त संचालक ने विभागीय कार्यों की समीक्षा की। बैठक में सोलंकी ने कहा कि आंगनवाड़ी केन्द्रों का नियमित संचालन करते हुए पोषण आहार वितरण करायें। परीक्षा के बाद स्कूलों में अवकाश होने के कारण मध्यान्ह भोजन बंद हो गया है लेकिन आंगनवाड़ी केन्द्रों सांझा चूल्हा से बच्चों को प्रतिदिन पोषण आहार का वितरण करायें। सभी सुपरवाइजर क्षेत्र का भ्रमण करें। शिशुओं और गर्भवती माताओं को पोषण स्तर बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास करें। कम पोषित बच्चों को पोषण पुर्नवास केन्द्र में भर्ती करायें। स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से आंगनवाड़ी केन्द्रों में शिविर लगाकर गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य की जांच करायें। महिला के गर्भवती होने की जानकारी मिलने पर उसका स्वास्थ्य विभाग में तत्काल पंजीयन करायें। हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की सूची सदैव अपने पास रखें। इनसे सदैव संपर्क में रहकर नियमित जांच तथा उचित उपचार के लिए प्रेरित करें। बैठक में संयुक्त संचालक ने सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों पर तत्परता से कार्यवाही करके उनके निराकरण के निर्देश दिये। बैठक में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, लाड़ली लक्ष्मी योजना में छात्रवृत्ति वितरण तथा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं अभियान की समीक्षा की गयी। बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी सौरभ सिंह सभी परियोजना अधिकारी तथा सुपरवाइजर उपस्थित रहीं।

ऑनलाइन होगा जीपीएफ का भुगतान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शासकीय कार्य से सेवानिवृत्त होने पर अधिकारियों और कर्मचारियों को उनके सामान्य भविष्यनिधि खाते जीपीएफ की राशि का भुगतान किया जाता है। इसके अंतिम भुगतान की व्यवस्था में परिवर्तन करते हुए अब ऑनलाइन भुगतान की व्यवस्था की गयी है। इस संबंध में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने बताया कि अब सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों को वित्त विभाग के पोर्टल आईएफएमआईएस सॉफ्टवेयर पर ही ई-जीपीएफ के माध्यम से अंतिम भुगतान ऑनलाइन किया जायेगा। इस संबंध में वित्त विभाग द्वारा जारी आदेश 21 फरवरी 2025 से लागू कर दिये गये हैं।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।